



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18]

No. 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 3, 1975 (वैसाख 13, 1897)

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 1975 (VAISAKHA 13, 1897)

प्राप्ति
No. 44-101
Date _____

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate Document.)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापर्वक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल दिवाग और भारत भरका, कार्यालयों द्वारा जारी की गई आधिकारिक घोषणाएँ।

मुख्यमंत्री

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मार्च 1975

सं. ए-12019/2/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 30 नवम्बर, 1974 में आंशिक आयोग अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतदद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी यांत्रिक सारणीयन अधिकारी श्री पी० चटर्जी को 24 फरवरी, 1975 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निवेशक (तथ्य संसाधन) के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० एन० मुख्यर्जी,
अवर सचिव

कृत अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 मार्च 1975

सं. ए-11013/2/74-प्रशा०-II :—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचनाओं दिनांक 29 अक्टूबर, 1974, 4 दिसम्बर, 1974 और 7 दिसम्बर, 1974 के क्रम से सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतदद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संबर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों/सहायकों को आयोग के कार्यालय में 1 मार्च, 1975 (पूर्वान्त) से छः मास की

अतिरिक्त अवधि के लिए या इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पदों पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं.	नाम	के० स० से० संबर्ग में धारित पद
सर्वश्री		
1.	बीर सिंह रियात	अनुभाग अधिकारी
2.	बी० एस० जगोपोता	—वही—
3.	जे० पी० गोयल	—वही—
4.	आर० एन० खुराना	—वही—
5.	एस० श्रीनिवासन	—वही—
6.	बी० एन० अरोड़ा	सहायक
7.	एस० के० अरोड़ा	—वही—
8.	के० एल० कटियाल	—वही—
9.	एम० आर० अष्टिराज	—वही—

2. अनुभाग अधिकारी विशेष के रूप में पूर्वोक्त अधिकारियों की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर होगी और उनका वेतन समय-समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं०

एक० 10(24)-व्यय-III/60 दिनांक 4 मई, 1961 में
उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जायगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अव० सचिव,
कृते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 मार्च 1975

सं० ए०-32013/1/73-प्रशा०-१:—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग (मंत्रिमण्डल सचिवालय) की अधिसूचना सं० 4/58/74-सी० एस० (I) दिनांक 21 फरवरी, 1975 द्वारा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित जिन स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीख से आगामी आदेश तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, उन्हें उसी तारीख से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अव० सचिव के पदों पर स्थानापन्न रूप से कार्य छहते के लिए नियुक्त किया गया है:—

अधिकारी का नाम	केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में नियुक्ति की तारीख
1. श्री के० आर० पाठेसार्थी	22-1-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री प्रस० एम० वाई० नदीम	27-1-75 (पूर्वाह्न)

दिनांक 15 मार्च 1975

सं० पी०/1562-प्रशा०-१:—इति कर्त्तव्यक्ति समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 21 जनवरी, 1975 द्वारा श्री एस० बौ० नौयर ने, जिन्हें केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में तथा अव० सचिव सचिव संघ लोक सेवा आयोग के पद पर पुनः नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से अव० सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 17 मार्च 1975

सं० ए०-32013/2/73-प्रशा०-१:—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री एन० के० प्रसाद को, जिन्हें पहले 19 जून, 1974 से 28 फरवरी, 1975 तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, अब मंत्रिमण्डल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० एक० 4/43/73-सी० एस० (I) दिनांक 10 मार्च, 1975 द्वारा 15 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है। श्री एन० के० प्रसाद 15 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

सं० ए०-32014/1/75-प्रशा०-१:—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के० ग्रेड-I) श्री एम० सी० खुराना को, राष्ट्रपति द्वारा 1 मार्च, 1975 (पूर्वाह्न) से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रेड) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32013/1/75-प्रशा०-१:—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० के० सेवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए०-32013/1/75-प्रशा०-१ दिनांक 24 जनवरी, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अव० सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद कुमारी एस० टी० के० सेवानी ने 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-32013/1/75-प्रशा०-१:—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी श्री जी० पी० विज ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/75 प्रशा०-१ दिनांक 7 फरवरी, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अव० सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री जी० पी० विज ने 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-32013/1/73-प्रशा०-१:—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री आर० एस० गोयला को जिन्हें पहले 5 अप्रैल, 1974 से 28 फरवरी, 1975 तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, अब मंत्रिमण्डल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० एक० 4/43/73-सी० एस० (I) दिनांक 10 मार्च, 1975 द्वारा 15 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है। श्री आर० एस० गोयला 15 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

पी० एन० मुखर्जी,
अव० सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1975

सं० ए०-32014/1/74-प्रशा०-III:—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० आर० शृष्टिराज, राष्ट्रपति द्वारा 21 सितम्बर, 1974 से 5 नवम्बर, 1974 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी, अव० सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निवेश सं. IX /8/66/74-75—यतः मुझे, के० बी०
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 13ए० और 13 बी०, ईस्ट माद्दा चर्चे रोड़, रायपुरम, मद्रास है, जो स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(इ) अन्तरण से हुई किसी आय की व्यावहारिकता के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था ही था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) तमில்நாடு फिलोर मिल मणिरी मென்கேचரिङ
கம्पनी, मद्रास-1,
(अन्तरक)

(2) के० एम० प्रायससरस, मद्रास-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास रायपुरम ईस्ट मादा चर्चे रोड डोर सं 13ए और 13बी में 6 ग्राण्ड्स और 1800 स्कूयर फीट की भूमि (मकान के साथ)

तारीख : 10-4-1975

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

असः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर का कार्यालय,

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/169/1838—यतः,
मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (आंग इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 24 अगस्त 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922

का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. ला० ब्रह्म स्वरूप, पुत्र लाला सुखबीर सिन्हा, सिविल
लाइन, मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप बेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरुपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ड
सेक्ट्री। (अन्तरिती)

3. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है:—
किरायदार:—

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री सुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री क्षामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कबेर्हरी मुजफ्फर नगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील सिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप
चंद्रमैन, मुजफ्फरनगर।

सह स्वामी :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।
 श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज
 स्वरूप,
 श्रीमती ज्योत्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण:—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्य एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) बूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 बृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) एष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है:—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट। अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पाँच सौ रुपए) में किया गया।

आई० खोखर,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक : 30 सितम्बर 1974।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/म० नगर/74-75/172/1841—यतः
मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए बीच तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए।

अतः यद्युपरि उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वेदवती स्वरूप, पत्नी ब्रह्म स्वरूप सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप बेजिटेबल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गगे सेक्रेट्री। (अन्तरिती)

क्रियायेवार :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीक्षान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खाँ,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मवनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री अहम स्वरूप चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सह स्थानी :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी
 राज स्वरूप,
 श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20 के यथापरिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

श्रवण सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा
 पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित
 है का विवरण :—

४० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी
 जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोणाला आदि
 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिंथ एसिया
 केवल 17,959 वर्ग फीट।
 (2) 6 बोधा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज
 भूमि में 495 पेड़।
 (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें
 86 बृक्ष।
 श्री० (1) एक मंजिला पक्का कच्चहरी पोस्ट आफिस
 विल्डिंग 30 वर्ग गज में।
 (2) 175 वर्ग गज में, कच्चहरी पोस्ट आफिस के पास
 11 एक मंजिला दुकानें।
 (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16
 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
 (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में।
 कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कच्चहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैन्ड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउन्ड पलोर 15,859 वर्ग फीट।
 अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस
 की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (वाईस हजार पाँच
 सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 19 मिस्रम्बर 1974।

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कामपुर

कामपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मू० नगर/74-75/174/1837—यतः,
मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

या उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात :—

1. श्रीमती श्रवण कुमार स्वरूप, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर स्वरूप वेजिटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लिं., मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गांग सेकेटी। (अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग भें सम्पत्ति है)

किरायेदार :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हँसराज,
- (4) श्री हँसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज़,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री अस्त्र स्वरूप चेयरमैन, मजफ्फरनगर।

4. सह स्वामी :

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।
श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),
श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी राज स्वरूप,
श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),
श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),
श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिधाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिंच एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेढ़।
(3) दूसरी खेतिहार भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।
बी० (1) एक मंजिला पक्का कच्चहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
(2) 175 वर्ग गज में कच्चहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
(4) णेष भाग खेतिहार भूमि 12,400 वर्ग गज में।
कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।
दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।
पूर्व : जिला कच्चहरी।
पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैन्ड आदि।
कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।
(1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।
अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।
(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण र० 22,500 (बाईस हजार पाँच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोबर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक : 19-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रन्जन रेंज, कामपुर

कामपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ग्रन्जन/मु०नगर/74-75/143/1842—यसः, मुझे,
आई० खोदर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा
269-घ के अधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
ओ सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 5 जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यां गया पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से किसी आय की आवश्यक आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रवण कुमार स्वरूप, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेलिप्रोडक्ट्स इंडस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग
सेक्रेट्री। (अन्तरक)

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेवार:—

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपमदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ग्रहा स्वरूप
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

सह स्थानी :

अमुमूली

सुखबीर सिन्हा पार्क, ९ सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।
 श्रीमती वेब वती स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,
श्री आहु स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोक्षण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय २०-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अबल सम्पत्ति के १/४८ भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर ३० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (१) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि ४,००० वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल १७,९५९ वर्ग फीट।
 (२) ६ बीघा में फलों का बाग या १४,७०० वर्ग गज भूमि में ४९५ पेड़।
 (३) दूसरी खेतिहर भूमि १८,९१० वर्ग गज जिसमें ८६ बूक्त।
 ब० (१) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट ऑफिस बिल्डिंग ३० वर्ग गज में।
 (२) १७५ वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट ऑफिस के पास ११ एक मंजिला दुकानें।
 (३) २६० वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर १६ (सोलह) लकड़ी के घराल।
 (४) शेष भाग खेतिहर भूमि १२,४०० वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल ५०,५७५ वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।
 दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।
 पूर्व : जिला कचेहरी।
 पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि।
 कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल ४०,००० वर्ग गज है।
 (१) ग्राउण्ड फ्लोर १५,८५९ वर्ग फीट। अपर स्टोरी २,००० वर्ग फीट।
 (२) ४६५ वर्ग गज में २७ दुकानें और पोस्ट ऑफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु २२,५०० (बाईस हजार पाँच सौ रुपए) में किया गया।

बाई० खोखर,
 सक्षम प्राधिकारी;
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 नैन रेंज, कानपुर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रन्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19-9-1975

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/167/1836—यतः,
मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 अक्टूबर 1974 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब धारा 279-व के अनुसरण में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री/श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप पती स्व० शोपाल स्वरूप, राम बाग, मुजफ्फरनगर।
(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेविल प्रोडक्ट्स हॉल्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेफेंट्री।
(अन्तरिती)

किरायेदार :

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलालाल पुत्र श्री शिव चरन दास;
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज़,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री नहस्वरूप चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

4.

सह स्वामी :

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है) सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वसी स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,
 श्री अहम स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोबिन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसौ

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

- ए०-(1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ ऐरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
- (2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।
- (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी०-(1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

- (2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
- (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
- (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्चे रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

- (1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट। अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

- (2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पाँच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 19-9-1974
 मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

KAKINADA

Kakinada the 1st April 1975

Acq. File No. 184/J. No. I(340)/74-75.—

यतः, मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं 40-4-51 Labbipeta है जो, Vijayawada में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन 31-४-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तियाँ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) B. Buphandra Nath.

(अन्तरक)

(2) J. Lalita Laxmi.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतत्प्रधारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District—Vijayawada Sub-Registrar—Vijayawada Town—Vijayawada Municipality—Asst. No. 26414—N.T.S. No. 100—Revenue Ward No. 11—Door No. 40-4-5/1—Labbipeta—680 Sq. Yds.

K. SUBBA RAO
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 1-4-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

निवेश सं० सब रजि० इन्दौर /31-8-74—यतः मुझे एम० एफ० मुन्ही,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नगर निगम 62, जुना राजवाडा इन्दौर 60407 वर्ग फीट है, जो इन्दौर में स्थित है और इसके उपावद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीत्र तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काधित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

(1) मेसर्स प्रिन्सेस उषा इन्स्ट, इन्दौर (अन्तरक)

(2) रायबहारू सेठ ओंकारजी कस्तुरचंद 50, सितावामाता बशार इन्दौर। (प्रापर्टीज)

(3) गुरुदी विभाग (अन्तरिती)

1. श्री राजेन्द्र कुमार बाबू लाल जैन 2. विनय चंद मानिक चंद 3. बाबू लाल गोपी लाल जैनी 4. विनय चंद पश्चा लाल 5. श्रीमती कुबर बाबी पत्नी अब्दुल रहमान श्री गुलाब रसूल पिता अब्दुल रहमान 6. भगवान दास फाटन दास 7. माधव दास फाटन दास 8. परवत राष्ट्र किशन राव 9. शान्ती लाल मूल चंद 10. अब्दुल लतीफ अब्दुल गनी 11. नानक राम जगना दास 12. मोहन

लाल रिन्तुमल 13. परश राम छट्टामल

महल के भीतरी भाग

14. श्री कैलाश रामनारायण 15. महेश राम नारायण 16. दिं स्टेट बैंक आफ इन्डोन, इन्दौर

गुरुदी उत्तर विभाग की

17. श्री हीरा लाल प्रभु दास 18. गोविन्दराम बालू मल द्वारा विष्णुदास 19. कमलकुमार खुशीराम 20. गोवरधन दास बीड़ामल 21. श्री सुजीत मल केसर दास 22. हंसा नन्द वाटूमल 23. गुलाब बाई करीम बाई 24. श्रीमती गंगाबाई मूलचन्द 25. श्री दीपेत राम पेश मल 26. विशन दास वाटू मल 27. विशन दास वाटू मल 28. श्रीमती राजेशवरी पत्नी मनोहर लाल 29. श्री मनोहर लाल खुशाल दास 30. श्री मनोहर लाल खुशाल दास 31. श्रीमती ईश्वरी बाबी खेम चन्द 32. श्री गोमकार सिंह मेहरबान सिंह 33. मान सिंह श्याम सिंह 34. हरभजन सिंह मेहरबान सिंह 35. मेहरबान सिंह मान सिंह 36. सुरेशकुम हरी राम 37. चन्द्र कुमार लीला राम 38. हरी राम केवल राम 39. तुला राम खंब चन्द 40. बन्धी लाल साधू राम 41. श्रीमती रखी बाबी पुस्ती खुशाल दास 42. श्री पुश्पोत्तम दास लक्ष्मी नारायण 43. परसराम चट्टा मल 44. अब्दुल भाई अब्दुललाह 45. अब्लानूर करीम बक्स — जुना राजवाडा इन्दौर (म० प्र०) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मुल्य सचिव :— मध्य प्रदेश शासन भोपाल।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्वैहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर निगम नं० 62 जुना राज वाडा इन्दौर (म०प्र०) 60407 वर्ग फीट।

एम० एफ० मुन्ही,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-12-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० इन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) तमिलनाडु फिलोर मिल कारपोरेशन, मद्रास-1
(अन्तरक)
(2) वेंकटेश्वरा वेंगर हाऊसिंग कारपोरेशन मद्रास-1
(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश IX /8/67/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या धारा० एस० 316(भाग) ईस्ट मादा चर्च रोड, मद्रास है जो स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1974 को पूर्खीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

को यह सूचना जारी करके पूर्खीत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खीत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास रायपुरम, ईस्ट मादा चर्च रोड धारा० एस० सं० 316 (भाग) में 7 ग्राउण्ड्स और 1800 स्क्वेयर फीट की भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 11-4-1975
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल 1975

निवेश सं० ((/8/68/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या आर० एस० 3976/10, ईलम मुख्यमंडली स्ट्रीट मद्रास है, जो 81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी अम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० बी० राजन
में बायकर उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलब्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—
3—46GI/75

(1) सविता और एन गुप्ता, सेलम (अन्तरक)
(2) दीजय कुमार और निरमल कुमार मैलापुर,
मद्रास-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य किए जाएंगे;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 81, ईलम मुख्यमंडली स्ट्रीट आर० एस० स० 3976/10
दिनांक सं 76 में ३ अप्रैल और १५० लक्ष्यर फीट की भूमि।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी,
बायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
मोहर : मद्रास
प्रर्जन रेंज ————— मद्रास

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निदेश सं० IX/8/69/74-75—यत्. मुझे, के० वी० राजन
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० 314 भाग, ताण्डावमूरती चट्ठी
रटीट, मद्रास है जो में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनु-
सूची में और पृ० ८४ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त
1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मृज्जे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधृव्यक्ति
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एससो ईस्टर्न इन्क, मद्रास-8 (अन्तरक)
(2) सर्वन बेयर हाउसिंग कम्पनी, मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, रायपुरम, ताण्डावमूरती स्ट्रीट आर०एस० सं०
314 (भाग) में 8 ग्रौण्ड और 109 स्वेच्छा मीटर की
भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 10-4-1975
मोहर.

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—————

1. एस्सो ईस्टर्न इन्क, मद्रास ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- 1, मद्रास का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश सं० IX/8/70/74-75—यतः मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० 316, ईस्ट मादा चर्च रोड, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (प्रौढ़ इस से उपांचढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. तामिलनाडु किलौरमिल मशीनरी कारपोरेशन, मद्रास-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, रायपुरम, ईस्ट मादा चर्चरोड आर० एस० स० 316 में 41 ग्रौन्डस घौंड 1420 स्क्युर फीट का भूमि (मकान के साथ)

के० वी० राजन,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास ।

तारीख : 10-4-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निवेश सं० IX / 3/53/74-75—यतः मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 25 ए०, चेलम्माल स्ट्रीट, मद्रास-30 है, तथा जोकि मद्रास में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अज्ञत 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापल, उक्त अधिनियम, के अवधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपावदा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एस० हरिहरणन	(प्रन्तरक)
25 ए० चेलम्माल मद्रास 30	
2. श्रीमती के० इनलक्ष्मी, ए० 74 कीलपाक काल्डन कालनी मद्रास-10 ।	(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, अमिनजीकरे, चेलम्माल स्ट्रीट ऊर सं० 25 ए० में 4485 स्क्युर फौट का मूलि और भकान (जिसका आर० एस० सं० 26/1, टी० एस० सं० 6, थलाक०-17)।

(के० बी० राजन)
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख : 11-4-1975

मोहर :

प्रस्तुत आठ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अर्जन/167/कानपुर/74-75—यतः, मुझे, बाईं
खोबर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संकरने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से
अधिक है और जिसकी सं० ए० ३ है तथा जो सर्वोदय नगर, कानपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मूल्य यह विवाह संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अवृह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) असरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या खन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपलाभ (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामपाल पुत्र श्री बखताबर सिंह निवासी सहाय
हाऊस मुजफ्फरनगर, उपस्थित निवासी 15/281 सिंचिल लालन,
कानपुर। (अन्तरक)

2. जामोलिया इन्जीनियरिंग बर्क्स प्रा० लि० कानपुर
द्वारा श्री भोला राम प्रग्नाल पुत्र श्री शिवकरन दास प्रग्नाल
निवासी पोखर पुर चाकेरी रोड, कानपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवसरण सम्पत्ति प्लाटनं० ए०-३ 'सी' काकादेव स्कीम नं० १,
स्थित सर्वोदय नगर, कानपुर। जिसका हस्तान्तरण 1,20,000
में हुआ।

बाईं खोबर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 7-10-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 सितम्बर, 1974

निर्देश सं० 154/ए०सी०क्ष० 23/126/19-7/74-75—
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मर्वेन० 383 क्य० वार्डन० 15 रे० सं० न०
383 पैकी प्लाट-3 है, जो कतर ग्राम, ता० चोरियासी, अश्वनी
कुमार रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत गे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 14-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ आय गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-नकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रहणतः:—

1. श्री चुनीलाल रणछोडवास जरीवाला (HUF) कर्ता :
रमणलाल चुनीलाल जरीवाला, हीरालाल चुनीलाल जरीवाला
का कुल मुख्तार, सूरत। (अन्तरक)

2. मे० दोलत राम सिल्क मिल्स अपने पानटर श्री गंगाराम
दोलतराम गुलबाजी द्वारा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यधारियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्त्रज्ञानी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 383-क्य० वार्ड नं० 15, रे० सं० न० 383 पैकी
प्लाट नं० 3, फाईनल-प्लाट नं० 82, टी० पी० एस०-4 में स्थित
खुली जमीन जिस का कुल माप 3855 वर्ग गज है जो कतर ग्राम
ता० चोरियासी अश्वनी कुमार रोड, सूरत में स्थित है जैसाकि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1974 के रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 261 में प्रदर्शित है।

पी० न० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-9-1974
मीहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 23 सितम्बर 1974

स० आर० ए० सी० 29/74-75—यतः मुझे एस० बाल
सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी स० 5-9-30/1 बशीर बाग है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं बिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री मोहम्मद कजलुद्दीन खान 5-9-30/1, बशीर बाग
हैदराबाद ।
(ग्रन्तरक)

2. हैदराबाद निवासित सोगों के हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसा-
यटी पेन्डरघास्टरोड श्रीएस०पी० भगवानदास, सचिव द्वारा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्टसाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जो 7125 वर्ग गज जिसका नं० 5-9-30/1
बशीर बाग, हैदराबाद है ।

एस० बाल सुब्रमण्यम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 23-9-74
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आदयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, 27 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं०ए०सी०क्य०२३-१-३१६(११५)/१-१/७४-७५—
यतः मुझे, जे० कश्युरिया आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 47 है, जो गांव : ओकाफ, तालुका सिटी प्रहमदाबाद में स्थित है (और इस से उपावढ घनसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधियिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-८-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित में कमी करने या उससे अचले में दूषिष्ठ के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव वा किसी इन वा अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, भा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिक्त द्वारा ब्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिनाने में दूषिष्ठ के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की द्वारा (1) के अधीन लिखित अधिकारों, अर्थात् :—

1. बी महालक्ष्मी आदस फैक्ट्री भागीदार: श्री मगनभाई विठ्ठल-भाई पटेल मौजे एदला, तालुका विरमगाम श्री रमणलाल नारणरास ठक्कर, विरमगाम। (अन्तरक)

2. दी भारत आइस फैक्ट्री भागीदार: श्री सेंधाभाई जोहताराम ओमा, मौजे: जोटाणा जिला: महेसाणा श्री कासमभाई आदमभाई मंडली, विरमगाम। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतबद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमंदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, वा अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (बांधकाम सहित) जिस का क्षेत्रफल 4000 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 47 की जमीन

पहिलम: सर्वे नं० 47 की जमीन

उत्तर: सरकारी तंग रास्ता।

विक्रिग: उषा को-प्रापरेट्री हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की सम्पत्ति।

जे० कश्युरिया,

सभाम प्राधिकारी

सहायक आमतंत्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, प्रहमदाबाद।

तारीख: 27 दिसम्बर, 1974

मोहर:

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 17 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० 17/74-75/1एसी(एआर)/भुवनेश्वर—यतः, मुझे,
जि० बि० चान्द
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 102 है, जो मौजा गोविन्द प्रसाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4-46GI/75

1. श्री देवेन्द्र कुमार पटनायक (अन्तरक)
पिता रव्वर्गत बालकाण पटनायक

2. (1) श्री राज किशोर मोदी, (2) श्री रमेश कुमार मोदी पिता श्री मोना लाल मोदी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से चढ़ किसी व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान भुवनेश्वर का गोविन्द प्रसाद मौजा में स्थित है। वह जमीन 28-9-74 तारीख में भुवनेश्वर सब रजिस्टर ऑफिस में रजिस्टर हुआ, जिसका डाकुमेट नं० 5808 है।

जि० बि० चान्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भुवनेश्वर

तारीख : 17 दिसम्बर, 1974
मोहर :

प्रस्तुति दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जनवरी 1975

सं० ए० सी० क्य० 23-१-३०१ (123)/१-१/७४-७५—यतः मूल्य
जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 255, सब-प्लाट नं० 1, दी० पी० एस० न० 3 है, जो शेखपुर-खानपुर (नवरंगपुरा), अहमदाबाद में स्थित है, (और इससे उपावढ़ अन्मूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 29-८-१९७४ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रत्तरक (प्रत्तरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रबीर विजयराय एक्सरत।
2. श्री परंजय विजयराय एक्सरत
‘संत बीला’ कार माइकल रोड, बम्बई। (अन्तरक)
2. 1. श्री मनुभाई एच० पटेल,
2. श्रीमती शान्ताबे मनुभाई पटेल,
3. श्री यशवंत मनुभाई पटेल
4. श्री दीलीप मनुभाई पटेल,
5. श्री प्रविण मनुभाई पटेल, एलिस ब्रीज, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन (बंगला सहित) जिसका क्षेत्रफल 2004 वर्ग गज है, और जिसका फायनल प्लाट नं० 255 सब-प्लाट नं० 1, दी० पी० स्कीम नं० 3 है और जो शेखपुर-खानपुर उर्फ नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : एफ पी० नं० 254

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : सब-प्लाट नं० 4

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

तारीख : 9-१-, 1975

मोहर :

प्रृष्ठ प आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 19 दिसम्बर, 1974

सं०प०सी०क्य० 23-1-304(113)/1-1/74-75—

यतः मझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी स० सर्वे नं० 176, 180-1 सब प्लाट नं० 8, एफ० पी० नं० 155, टी० पी० स्कीम नं० 19 है, जोकि शेखपुर-खानपुर नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के 1961 (1908 का 16) के अधीन 12-8-74

अधीन दिनांक 25-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबूभाई मूलचन्द पटेल दर्शन सोसायटी स्टेडियम के निकट, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री दीनेशचन्द्र चंद्रलाल

(2) श्री वासुदेव कचरालाल

(3) श्रीमती कमलाबेन कांतिलाल

22/24 गणेशवाली, पहला मंजला, ज्वेरी बाजार अम्बई-2 (अन्तरिती)

3. स्टेट बैंक आफ इन्डिया वरंगपुरा, अहमदाबाद।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में

सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाचिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 419 वर्ग गज भूमि पर स्थित है क और जिस का सर्वे नं० 176, 180-1, सब-प्लाट नं० 8 फायनल प्लाट नं० 155 तथा टी० पी० स्कीम नं० 19 है और जो शेखपुर-खानपुर नवरंगपुरा अहमदाबाद में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : सब प्लाट नं० 7

पश्चिम : सब प्लाट नं० 9

उत्तर : सब प्लाट नं० 4 तथा 5

दक्षिण : 40 फट का रास्ता

(जै० कथूरिया)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख : 19 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर, 1974

निर्वेश सं०अर्जन/166/कानपुर/74-75/2329—यतः मम,
बाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है
और जिस की सं० 32 है जो सर्वोदय नगर काकादेव कानपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में शाँ
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शीला शर्मा विधवा श्री के० शर्मा, 92 ग्रेटर
कैलाश नई दिल्ली । अन्तरक

2. श्रीमती दर्शन कौर पत्नी स० रघुवीर सिंह 111ए/159
अशोक नगर, कानपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई शी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

सर्वोदय नगर काकादेव कानपुर में स्थित अचल सम्पत्ति नं०
32-बी जो एक मंजिली इमारत जिसमें 5 कमरे व एक गैरज है
तथा क्षेत्रफल 1031.2 वर्ग गज है जिसका हस्तान्तरण 9500/-
रुपये में हुआ है।

बाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 28-ए/अर्जन—यतः मझे, के० एन० मिश्रा

अतः मुझे श्री ग० सो० राव० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या — है जो, अमरोहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिला मुरादाबाद रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोहा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अतः ग्राव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जय नारायण

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन नारायण टंडन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यालयीय गूरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान जोकि मुहल्ला कटरा गुलाम अली कस्बा अमरोहा जिला मुरादाबाद में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, लखनऊ

तारीख : 5 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 नवम्बर 1974

सं० 27-आर/अर्जन—यतः मुझे के० एन० मिश्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके एचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोहा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अनि 2-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाति:—

1. श्री जय नारायण और अन्य (अन्तरक)

2. राज नारायण टंडन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान एक मंजिला जो कि अमरोहा जिला मुरादाबाद में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रूरुप आई०टी०एन०एस०— — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए० 75/74-75/3370-75—यतः, मुझे एन० पचुआँ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टेन पी० पी० नं० 28 दाग नं० 6485 है, जो गोलाघाट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोलाघाट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्री सरन सिंह सेथी, मन आफ लेट उत्तम भिह सेथी गोलाघाट, आसाम (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार अग्रवाला (माइनर) रिप्रेजेन्टेड बाई श्री हिंज फादर सत्य नारायण अग्रवाला, गोलाघाट, जिला शिवसागर, आसाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 1 (एक) काठा 8/1/ (आठ और आषा लेचा जो कि टन पी० पी० नं० 6485 गोलाघाट टाऊन, मौजा मावखेवा, सिवसागर जिला, आसाम प्रदेश में पाढ़ी हुई है।

एन० पचुआँ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज शिलांग

दिनांक: 11-11-74

मोहर:

प्रचल्प शाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० 76/74-75-3376-79--यतः, मुझे,
एन० पचुआ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टेन पेरिओदिक पत्ता नं० 28 दाग नं० 6485 है, जो गोलाघाट टाउन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गोलाघाट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाता था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुरूप में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरन सिंह सेथी, सन आफ लेट उत्तम सिंह सेथी गोलाघाट, आसाम (अन्तरक)

2. सहटोस कुमार अगरवाला (माझनर) रिप्रेजेन्टेड बाई हिस फादर श्री सत्यनारायण अगरवाला, गोलाघाट, आसाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 1 (एक) काटा, 8 (आठ) लेचा जोकि टेन पेरिओदिक पत्ता नं० 28, दाग नं० 6485, गोलाघाट टाउन, मौजा निउखेवा, सिवसागर जिला, आसाम प्रदेश में पड़ी हुई है।

एन० पचुआ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,
शिलांग

दिनांक : 11-11-74
सोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योति विल्डिंग्स,

एरणाकुलम, दिनांक 5 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० एल० सी० 30/75-76—यतः मुझे, ए० ए०

कुरुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोल्लम जिला के पुनर्नियन्त्रित विल्लेख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, तारीख 29-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युट विल्लेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना:

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-46GI/75

1. श्री टी० के० उम्मन (कुरियन के पुत्र) मनेजिंग डायरेक्टर,
बीबी एस्टेट बंगलौ, पुनर्नियन्त्रित विल्लेख पुनर्नियन्त्रित कोल्लम डिस्ट्रिक्ट
(अन्तरक)

(2) श्री प्रसाद (उम्मन के पूत्र) हाउस नं० 4, आर
एस पेरिस्मानी रोड, कोयम्बत्तुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती फातिमा, कोन्कणातिमा की पुत्री, बीना महल,
वलंकोड, पुनर्नियन्त्रित विल्लेज, कोल्लम (अन्तरिती)
की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोल्लम जिला के पुनर्नियन्त्रित विल्लेख पुनर्नियन्त्रित के सर्वे० सं० 599/1/77, 599/1/152, 599/1/158, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/64, 599/1/227 में 10 एकड़ रबड़ एस्टेट।

ए० ए० कुरुप,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 5-4-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज एरणाकुलम्

दिनांक, 7 अप्रैल; 1975

निर्देश सं० एल० सी० 31/75-76—यतः मुझे, ए० ए० कुरुप सहायक आयकर आयुक्त आयकर अधिनियम, (1961) (1961 का 43) (जिसे इलाके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।

की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 39/7 अ (आर० एस० 11-2-75/2) है तथा जो नगर अंश वेश कालिकट में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चालपुरम्—में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-7 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आसिस्टेंसी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति:—

1. श्री विविन्दास पोकरदाह, पोकरदास को पुत्र बैंकट नगरम्, कालिकट । (अन्तरक)

2. श्री के० बी० गोविन्दशंख, के० बी० देवदास राव के पुत्र, अश्वकेट आनर टास्स कणसलटेनट, काचेरी अंश कुलब्रकाटड्डरोटी देश, कालिकट (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अनित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कालिकट जिला के कालिकट टाउन नगर अंश देश में सं० 39/6 अ (आर० एस० 11-2-75/2) के अन्तर्गत 14.71 सेनटस् भूमि तथा मकान (मकान सं० 11/179 अ) पिस के 1/5 अधिकार ।

ए० ए० कुरुप,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम्,

दिनांक : 7-4-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 7 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एल० सी० 32/75-76—यतः मुझे, ए० ए०

कुरुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 39/6श (आर० एस० 11-2-75/2) है तथा जो नगर अंश देश कालिकट में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रन्ति-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चालपुरम—में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कभी करने या उक्तसे बद्धने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः—

1. श्री विशिन्दास पोकर दास, पोकर दास के पुत्र, बैंकर नगर कालिकट (अन्तरक)

2. श्री के० बी० गोविंद राव, के० बी० देवदास राव के पुत्र, अडवोकेट और टैक्सेस कन्सल्टेन्ट कार्पेरी श्रीमाँ, कुरुक्षेत्र हासेरी देशी कालकीट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, इबाके के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कालिकट जिला के कालिकट टाउन, नगरम् अंश वेश में सं० 39/6श (आर० एस० 11-2-75/2) के अस्तर्गत 14.71 सेन्टम् भूमि तथा मकान (मकान सं० 11/179 श) पिसके 4/5 अधिकारी।

ए० ए० कुरुप,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम,

दिनांक : 7-4-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अप्रैल 1975

निवेश स० टी० आर०-172/सी-152/कल-2/74-75—यतः
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 9 और 9/1 है तथा जो तालबगान लेन, कलकत्ता
में स्थित है (प्रांत दृष्टि से उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-8-1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्स्कौं)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपराखा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती मिनाती बनर्जी, (2) श्रीमती शोभा बनर्जी
(3) श्रीमती काना मुखर्जी (4) कल्याण मोहन बनर्जी
(5) अनिल मोहन बनर्जी (6) आणीश मोहन बनर्जी
(अन्तरक)

2. श्रीमती उमा बजाज, 265, बनबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-12
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नम्बर 9 और 9/1, तालबगान, लेन, थाना—
वोनिया पुकुर, कलकत्ता में जिसका क्षेत्रफल इकट्ठा 15 छटांक
1 वर्गफीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 11-4-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निदेश सं० टी० आर०-174/सी-154/कल-2/74-75—यतः
मूले, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी संख्या 9 है तथा जो तालबगान लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नर्मेंट प्लेस (नार्थ) कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति :—

1. (1) मिनाती बनर्जी, (2) शोभा बनर्जी, (3) काना बनर्जी, (4) कल्यान मोहन बनर्जी, (5) आशीश मोहन बनर्जी, (6) अनिल मोहन बनर्जी (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार नायर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 9, साथेबगान लेन, थाना बेनियापुकुर कलकत्ता में जिसका क्षेत्रफल 4 कठा 1 छटांक 14 वर्गफुट है।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-4-75

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निवेश सं० टी० आर०-173/सी०-153/कल०-2/64-65—यतः
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० 9 है तथा जो तालबगान लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती मिनाती बनर्जी, (2) श्रीमती सोभा बनर्जी (3) श्रीमती कवा मुखर्जी (4) श्री कल्यान मोहन बनर्जी (5) श्री अशोक मोहन बनर्जी (6) श्री अनिल मोहन बनर्जी, 9/2ए, तालबगान लेन, कलकत्ता-17 (अन्तरक)
2. श्री छपाल सिंह होरा, 29 सी बिल्डिंग, अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-13। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि जिसका खेतफल 4 कट्टा 17 वर्गफुट है और जो 9, तालबगान लेन, टोनजी नं० 1298, थाना बेनियापुकुर कलकत्ता का एक हिस्सा है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-4-75
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 4 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 244/एकुरे III/74-76/कल—यतः मुझे,
एल० के० बालसुश्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 67के, है तथा जो ग्राहाम रोड, कलकत्ता-40
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर सबर, 24 परगाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पर्याप्त प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपाधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. (1) ज्योतिबाला चक्रवर्ती
(2) अनिल बरण चक्रवर्ती
(3) प्रसन्न मोहन चक्रवर्ती
सबका पता:— 133, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड,
कलकत्ता-6। (अन्तरक)

2. श्रीमती माया चक्रवर्ती 67के, ग्राहाम रोड, कलकत्ता-40
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या लक्ष्मनन्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो
भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोन्तस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

समुच्चा एक तल्ला जिसमें बैड रूम, कियन, बाथ, बेलकनी
इत्यादि है साथ जमिन का अधीन जो 67के, ग्राहाम रोड, थाना
यायबापुर, कलकत्ता-40 पर अवस्थित है जो सब-रजिस्ट्रार,
अलिपुर सदर, द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 3627/1974 का
अनुसार है।

एल० के० बालसुश्रमनियम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 4-4-1975।

मोहर :

प्रस्तुत अर्थात् दी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक 4 अप्रैल, 1975

निदेश सं० 243/एकुरे III/74-75/कल—यसः मुझे,
एल० के० सुधामनियन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 67के, है सथा जो ग्राहाम रोड़, कलकत्ता-40
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर सदर, 24 परगता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-7-1974

को पूर्खोंत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्रा के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्निः—

1. (1) ज्योति बाला चक्रवर्ती,
(2) अनिल बरण चक्रवर्ती,
(3) प्रसन्न मोहन चक्रवर्ती
सदाका पता-133, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड़,
कलकत्ता-6।

(अन्तरक)

2. (1) पवित्र कुमार चक्रवर्ती, (2) उमा बनर्जी, 67
के ग्राहाम रोड़, कलकत्ता-40 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीब तल्ला पर दो फ्लैट जिसमें 5 बेड-रूप, बाथ, प्रिमी
इत्यादि हैं साथ जमिनका अधांश जो 67के, ग्राहाम रोड़, थाना
यादवपुर कलकत्ता-40 पर अबस्थित और जो सब रजिस्ट्रार अलिपुर
सदर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 3637/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालासुधामनियन्त,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक 4-4-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 मार्च, 1975

निर्देश सं--/एकुर III/74-75/कल—यतः मुझ, एल० के०
बालसुश्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 21 (अंश) है तथा जो गुहसदय रोड़, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—46GI/75

1. श्री पार्बती प्रसन्न बोष 10/1 रेनी पार्क, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्री अलोक कुमार मुखर्जी, 56/1 पञ्चाननतला रोड़,
हावड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यह सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थानकारी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कैरीब 7 कट्टा 15 छटांक 26 स्कोफुट जमिन जो 21,
गुहसदम रोड़, कलकत्ता का अंश है और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस
कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I 4663/1974 का अनुसार
है।

एल० के० बालसुश्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
महाब्रह्म आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 31-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बोलिप, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च, 1975

निदेश सं० ए० सि० 207/कल०/आर-IV/74-75—अतः
मुझे, एस० भट्टाचार्या
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० दाग स० 2803 और 2804 है तथा जो इटालगाढ़ा
रोड़, कलकत्ता में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री असित कुमार भौमिक	(अन्तरण)
2. श्री प्रमोद अगरवाला	(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अविभाजित आधा हिस्सा, 2 कट्टा 14 छटाक जमीन और
उस पर सकान (कमला भवन) की, खतियान संख्या 976, 986,
दाग स० 2803, 2804, इटाल गाढ़ा रोड़, दम दम, ग्राम सुलतानपुर
जिला 24 परगना

एस० भट्टाचार्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख: 21-3-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निदेश सं० 247/एकुरे III/75-76/कल—अतः मुझे,
एल० के० बालसुन्नमनियम

आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 17/2 तथा जो इच्छा रोड, कलकत्ता में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविन्दलाल पाल चौधुरी	(अन्तरक)
2. श्री कृष्ण कुन्डु, प्रानबलम कुन्डु,	
श्री असित कुमार कुन्डु, गोपालचन्द्र कुन्डु और श्रीमती	
योगमाया कुन्डु	(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक विवरित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खालि जमीन, परिमान 3 कट्टा 14 छटांक, प्रमिसेस सं० 109
शामबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता ।

एल० के० बालसुन्नमनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख : 10-4-1975
मोहर :

प्रस्तुप्राप्त दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 24 मार्च, 1975

निदण सं० 247/एक० र०३३३/७५-७५/कल—यतः मुझे,

एल० के० बालासुद्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 17/2 है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. यमुना देवी, स्वामी हराधानचटर्जी 4/2, लिवमार्ड रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. राधिका बान्त चौधुरी 17/3, रिची रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्टा 6 छटांक जमीन जो पौर सं० 17/2 रिची रोड, कलकत्ता का अंश और उसमें अवस्थित है और जो जिला सावरेजिस्ट्रार, आन्तिपुर, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 5346/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालासुद्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख: 24-3-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 24 मार्च, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2763/74-75—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है और

जिसकी सं० सैट नं० 2, सम्पत्ति 194/1 (पुराना नं० 75/3) है, जो
IX क्रास रोड, II ब्लाक, जयनगर, बंगलूरु II में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्राधिकारी के कार्यालय, ब्रस्वनगुडि, बंगलूरु दस्तावेज नं० 1683
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 8-7-74

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
प्रेस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री ए० एम० सफीउल्ला (अन्तरक)
12, वेपेरी है रोड, मद्रास-3,
2. श्रीमती जूबेडा बंगलूरु-4 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिनकी अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थावरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सैट नं० 2, स्थावर सम्पत्ति नं० 194/1 (पुराना नं० 75/3)
IX क्रास, II ब्लाक, जयनगर, बंगलूरु-11 ।

सीमा :

पूर्व : अन्तरक की जमीन का एक भाग ।

पश्चिम: हैदर खान की जमीन

उत्तर: क्रास

दक्षिण: सैट नं० 75/2 और 75/2सी तिसरी मदीना
बी की

पू० ४० ४५' × उ० ८० १३४ फीट दस्तावेज नं० 1683/
8-7-74

आर० कृष्णमूर्ति,
सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख: 24-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 मार्च, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/2794/74-75—यतः, मुझे,
आर० कृष्णामूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 194/1 (पुराना नं० 75/3)
है, जो 9 क्रास रोड, II ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर 11 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, असवनगुड़ि बैंगलूर दस्तावेज
नं० 1982 में भारतीय अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 29-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रत्यरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिये सुकर बनाना।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्—

1. श्री ए० एम० सफीउल्ला 12, बेपेरी है, रोड, पेरिसपेट
मद्रास-3
(अन्तरक)
2. अजीजस्थान, 13, हमजा साहेब स्ट्रीट डोडमावली बैंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्योगण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जगह नं० 194/1, (सैट नं० 3) IX क्रास, II ब्लाक,
जयनगर, बैंगलूर-11

डिपिजन नं० 33

सीमा :

पूर्व : सैट नं० 399 400 और कार्पोरेशन का इंन।

पश्चिम : श्रीमति जुबेवा बेगम की सम्पत्ति।

उत्तर : 9 क्रास, जयनगर।

दक्षिण : टिमरी मदीवा बी की जमीन नं० 75/2 872/2-सी

21' + 88'	150' + 134'
क्षेत्र फल पू० प०	उ० द०
2	2

दस्तावेज नं० 1982 / तारीख 29-7-74।

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 24-3-75

मोहर :

प्रलेप प्राइंटी ट्रॉन एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 मार्च 1975

निवेश सं० सि० आर० 62/ 3828/ 74-75 ---यतः मुद्रे
आर० किण्ठमूति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 194/1 (एक भाग) IX कास, II ब्लाक, जयनगर बैंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगडि, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1974 को दस्तावेज नं० 1645 दिनांक 5-7-1975

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रामिणता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० गम० सफीउल्ला उसमानपेट, I स्ट्रीट, कीलनडी मेलाविशारम, नार्थ आरकाट जिला (अन्तरक)

(2) हेदरखान मुप्कर हृसन बाज 13, हमजा माहेब स्ट्रीट डॉहुमावली, बैंगलूर-4 अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाली जगह नं० 194/1 (एक भाग), IX कास रोड, II ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 क्षेत्रफल यू० प० 45 फुट उ० द० 134 फीट, दस्तावेज नं० 1645/तारीख 5-7-74

आर० किण्ठमूति,
सक्षम प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 24-3-1975

मोहर :

प्रख्यात शार्दूल टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, तारीख 2-4-1975

निदेश सं० सि० आर० 62/ 2776/ 74-75 —यतः मुझे
आर० क्रिष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 850 नया नं० 12 है, जो मिर्जा रोड,
मैसूर (पार्क होज) ने स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
दस्तावेज नं० 1401/74-75, मैसूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1974
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रत्यक्षित
की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी दाय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों, को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त
अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

- (1) भहाराज कुमारी विशालक्षी देवी अवर, ट्रस्ट, व्हाक्स
मैसूर (अन्तरक)
- (2) श्री डी० टी० सुन्दर राजा राव 1214/6, इट्टि-
गेंगुड, मैसूर (अन्तरिती)

(3) श्री के० के० कपूर सैनिकिक आफीसर, एयरफोर्स
सेलेक्सन बोर्ड मैसूर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) श्री मनजुनाथेश्वर ल्याकिन्ज प्राइवेट लिंग क्याम्पर
वर्क्स 851 (नया नं० 15) व्याकेज होज, धनाड़ि-
डक रोड, नज़रवाद मोहल्ला, मैसूर (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 850 (नया नं० 12) पार्क होज मिर्जा
रोड, मैसूर

क्षेत्रफल 12927 वर्गगज

सीमा :

उत्तर : मिर्जा रोड 226 फुट

दक्षिण : लोकरनजाम महल रोड

पूर्व : व्यारेज रोड

पश्चिम : पार्क होज इमारत

आर० क्रिष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख : 2-4-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० ५८० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर ता० 2-4-1975

निदेश सं० सि० आर० 62/2778/74-75 —यतः मुझे
आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वह निष्पाप्त करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12 पुरानां० 850 है, जो मिर्जा रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दस्तावेज नं० 1537/74-75 मैसूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का ह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितीयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हूई किसी भाग की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्क के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती भाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यति :—

7—46GI/75

(1) श्री डी० टी० सुन्दर राजा राव 23, प्लस माडल हौज, इटिंगेन्ड, मैसूर (अन्तरक)

(2) श्री मनजुना थेरेस्वरा व्यक्तिग प्राइवेट्स, अंड क्याम्फर वर्क्स, 851, प्याकेज हौज थनडिस्डक रोड, नजर-बाद मोहल्ला, मैसूर (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति मं० 850, नथा नं० 12, मिर्जा रोड, मैसूर ।

दस्तावेज नं० 1537/74-75 ता० 30-7-74

आर० क्रिष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 2-4-1975

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल 1975

निदेश सं० ७० शि० आर० ६२/ २८१/ ७४-७५—यतः मुझे
आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० ८५० नया नं० १२ है, जो मिर्जा रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर दस्तावेज नं० १५६०/७४-७५ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ३१-७-७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के घनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री डॉ टी० मुन्हर राजा राव २३, प्लेस माइल होज इंडियन, मैसूर (अन्तरक)
- (2) श्री मनजुनाथेस्वरा व्यक्तिग प्राढक्टस अंड क्याम्फर वर्क्स, ८५१, प्लाकेज होज, थनडिसड़क रोड, नज़रबाद मौहल्ला, मैसूर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, खही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० ८५० नया नं० १२, मिर्जा रोड,
मैसूर।

दस्तावेज नं० १५६०/७४-७५ ता० ३१-७-७४।

आर० क्रिष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: २-४-७५
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, तारीख 21 मार्च 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/2819/74-75:—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12 पुराना नं 850 है, जो मिर्जा रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मैसूर दस्तावेज नं० 1570 /74-75 मै भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्तिः—

(1) श्री डी० टी० मुन्दर राजा राव, 23, प्लेस माडल हौज, इंट्रिजेगुड, मैसूर (अन्तरक)

(2) श्री मुनजुनाथेस्वर व्याकिन्त्र प्राइवेट्स अंड क्याम्फर वर्क्स 851, प्याकेज हौज, थनडिसडक रोड नजरबाद, मैसूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 850 नया नं० 12, मिर्जा रोड, मैसूर।
क्षेत्रफल 4680 वर्गमीटर

दस्तावेज नं० 1570 /74-75 ता० 1-8-74

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 2-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1975

निदेश सं० ए० सि० 208 / कल०/ आर०- IV / 74-75—
अतः मुझे, एस० भट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है जिसकी सं० दाज सं० 2803, 2804 है तथा जो इटालगाछा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण 'से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री असित कुमार भौमिक

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार आगराला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

अविभाजित आधा हिस्सा, 2 काढ़ा 14 छठांक जमीं और उसपर मकान (कमला भावन) के, खतियान सं० 976, 986, दाज सं० 2803, 2804, इटाल गाछा रोड, दमदम, ग्राम-सुलतान पुर, जिला- 24 परगणा

एस० भट्टाचार्या,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता - 16

तारीख : 21-3-75

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

Kakinada the 27th December 1974

Acq. File No. 137/J. No. I(274)/74-75.—

पतः मुझे, K. Suba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं। 11/138 D25 Gudivada है, जो....

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Gudivada रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

- (1) 1. Puvvula Marudwati.
2. P. Amruthavalli, and
3. P. Uma Devi, Gudivada.

(Transferor)

(2) Sri Vallapally Laxmanna Rao,
LIC Agent, Gudivada.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

THE SCHEDULE
Krishna District Gudivada—Sub-Registration Gudivada
Town—11th Ward Vivarthipadu Village R. S. No. 245/
6D-0-08 cents with 315 Sq. meters site and Building with
Survey No. 11/138-D25.

BOUNDARIES

East—Dividevara Anasuyamma's site 88 ft;
South—Puvvula Venkatarao's site 39 ft;
West—Tumalappally Venkataratnam's site 88 ft;
North—Municipal Bazaar 39 ft.

K. SUBBA RAO
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada

तिथि 27-12-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकोनाडा

Kakinada, the 8th January 1975

Acq. File No. 141/74-75/J. No. I.124/KR/74-75.—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 29-13-42 Kaleswara Rao Road, Suryaraopeta Vijayawada

में स्थित है (श्री)

इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31--8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Sri Jasti Jagannadham S/o Ankneedu, Door No. 29-25-23, Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Sri Veeramchanoni Krishna Prasad, S/o Jagapati Rao, Door No. 29-13-42, Kaleswara Rao Rd. Suryaraopeta, Vijayawada-2 (AP).

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Krishna District—Vijayawada Sub-Registration—Mogalirajapuram—Revenue Area—Vijayawada Municipality—Vijayawada Town—Old Ward-24 and New Ward-26. Revenue Ward 9—Block-18-NTS. 777/1. Vijayawada—Asst. No. 227/7 Door No. 29-13-42—Building and Site 1064 1/3 Sq. yd.

BOUNDARIES

East—Site of P.S.N. Prasad etc. 101'-6".

South—Site of Yarlagadda jayaprada 93'-0".

West—Site of Yarlagadda jayaprada 93' 0".

North—Municipal Road known as Kaleswara Rao Road.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 8-1-75

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

KAKINADA

Kakinada, the 4th April 1975

Acq. File No. 187/J. No. I(363)/74-75.—
EG

यतः, मुझे K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16/113 Hospital Road Dowleswaram

में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के said Act अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,

की धारा 269-घ की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. Gundipally Sriharirao,
Dalli Rajahara.
Durg District, Madhya Pradesh.
- 2. Smt. Durgu Kasturi, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

- (2) T. V. Krishnam Raju, Baroda.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

As per Col. No. 3 mentioned in 37G from vide document No. 3330/74 of Sub-Registrar, Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज Kakinada

तारीख : 4—4—1975
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

KAKINADA

तारीख, 31-3-1975

Acq. File No. 183/J. No. I(113)/VSP/74-75.—

यतः मुझे K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। Old Survey No. 41 Karakavalasa Village में स्थित है (और इससे

उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vizianagaram में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में, मैं, said Act की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) M/s Bharat Mining & Trading Co. Private Ltd. Harbour Road, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) M/s Bafna Brothers,
15, Noormall Lohia Land
Calcutta-7.

(Transferee)

(3) Sri Nauratanmal Baid,
Pr. Nauratan Mal Dharmchand,
4/10/4, Dakkina Viudhi,
Vizanagaram-1.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्तरकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त said Act 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Vizianagaram Sub-Registrar—Karakavalasa village—Two adjacent plots of Dry land, contiguous in nature and described for purposes of clarity as plot 'X' and Plot 'Y' both forming portions of old S.No. No. 41 of Karakavalasa near Vizianagaram, Vizianagaram Taluk, Visakhapatnam District—covered by T.D. N.o. 177, with buildings, filter-rooms, other rooms, office-buildings, godowns, varandas and erections such as Engine-sheds, Expeller-sheds, platforms etc. with a pucca well and pucca compound walls and all other structures standing there on in its absolute right as 'Oil-Mill-Premises' under the name and style of "SREE UMAPATI GROUNDNUT AND OIL MILL".

BOUNDARIES TO PLOTS KNOWN AS X AND Y

East : Tank

South : Lands of Saketi Guruwulu.

West : Lands of Saketi Guruvulu and

North : Road leading to Sungavarapukita.

K. SUBBA RAO
सक्तम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 31-3-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, तारीख 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी०-728 /74-75 —यतः मुझे रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4387 जुलाई
1974 को लिखा है तथा जो बस्ती जो जालन्धर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के कायितव्य
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिये था छिपान की सुविधा के लिए,

ग्रन्त : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
8-46GI/75

- (1) श्री नानक सिंह सपुत्र लदासिंह सपुत्र वधन सिंह
लामा स० भुलदय जि० कपूर थला (अन्तरक)
- (2) मोहन सिंह सपुत्र रलासिंह प्लाट नं० 262, वस्ती
नौ जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग
में सम्पत्ति है)
- (2) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा 15 क० 17½ मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर के कार्यालय के क्रमांक 4387 जुलाई, 1974
में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी०-७२९/७४-७५—यतः मुझे रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का

43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3887 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो वस्ती दानशमन्दा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2908 का (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री काहन चन्द्र सपुत्र लछमन दास वस्ती दानशमन्दा जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश सिंह सपुत्र श्री चानन सिंह सपुत्र हरनाम सिंह वस्ती दानशमन्दा जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय के क्रमांक 3887 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-3-1975
मोहर :

प्र० र० प्र० श्री० ई० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 20 मार्च 1975

निवेश सं० ए० पी० -730— यतः मुझे रविन्द्र कुमार
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति;
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट लिखेख नं० 4014
जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो गांव लिदरा जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वर्याम सिंह, हजारा सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह गाव
लिदरा जालन्धर (अन्तरक)

- (2) उधम सिंह सपुत्र श्री हजारा सिंह संसार पुर नजदीक
जालन्धर छावनी (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधी-
भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरस्ती का टुकड़ा 5 क० 5 म० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर के वसीका नं० 4014 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 20-3-1975

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी० -731 — यतः मुझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी सं० प्लाट जैसा रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 4225
जुलाई 74 को लिखा है तथा जो लिदरा जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बहुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन अन्य स्थास्तियों को, जिन्हें
भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वर्यान सिंह हजारा सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह^{लिदरा जालन्धर}
(अन्तरक)
- (2) श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र श्री जसवन्त सिंह और सुचारिंह
सपुत्र श्री जगत सिंह जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आश्रेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा 5 क० म० 7 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर के वसीका न० 4225 जुलाई
1974 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर
तारीख : 20-3-75
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०/732—अतः, मुझे, रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट जैसा रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4183 जुलाई
74 को लिखा है तथा को लिदरा जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वरयाम सिंह हजारा सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह
लिदरा जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री इन्द्रजीत सिंह सपुत्र हरवंस सिंह कुलदीप सिंह
सपुत्र नारायणसिंह जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) भो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 5 क० 5म० 7 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर के वसीका नं० 4183 जुलाई 1974 में दर्ज है

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 20-3-75

भोहर :

प्रारूप आई०टी०एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, निधानक 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी० 733—यतः मुझे रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4012 जलाई को लिखा है तथा जो लिदरा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वरयाम सिंह हजारा सिंह सपुत्र सुन्दर सिंह लिदरा जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नसीबकोर पत्नि उद्यम सिंह संसार पुर जालन्धर छावनी । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुच रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट 5 क० 5 म० 7 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकूर्टी अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4012 जुलाई 1974 में दर्ज है

रवीन्द्र कुमार
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 20 मार्च 1975

निदेश सं ए० पी०-७३४—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं प्लाट जैसा रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4766 जुलाई 1974 को लिखा है तथा को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री चरण सिंह एडवोकेट सपुत्र मोहन सिंह गुरदीप सिंह सपुत्र चरण सिंह 1078, सैफ्टर 27-B चण्डीगढ़ (अन्तरक)

- (2) श्रीमती अजीत कौर सपुत्री के हर सिंह जंडियाला तहसील फिलौर, जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वतंत्र रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शास्त्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट 18 म० 125 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर वसीका नं० 4766 जुलाई 1974 में दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 20-3-75

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं ए० पी० -735— यतः मुझे रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं प्लाट जैसा रजिस्ट्रीकूट विलेख नं 4694 जुलाई जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फक्तार सिंह गुरदेव सिंह पुन शिव सिंह सपुत्र गुरदित सिंह आदमपुर जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नि सेवा सिंह सपुत्र पूर्ण सिंह गली नं 6 बी 16/267 सेन्ट्रल टाउन जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 2 का० 7 मा० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4694 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 20 मार्च, 1975

निदेश नं० ए०पी०-७३६/७४-७५—यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत लिखे नं० 4229 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा को एन० के० 216 मुहूल्ला चरणजीत पुरा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—
9—46GI/75

(1) श्री हरगोपाल, कूलन गोपाल सपुत्र गुरादियाल सपुत्र देवीदिता मन (नई दिल्ली) अब जालन्धर (अन्तरक)

(2) विजय कूपार सपुत्र प्रेमनाथ सपुत्र श्री किशन चन्द्र, एन० के० 216 मुहूल्ला चरणजीत पुरा जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 27 म० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4229 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 20-3-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निकेश सं० ए० पी०-737/74-75--यतः मुझे रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4227 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो चरणजीत सिंह पुरा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस्त : अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हर गोपाल, कृष्ण गोपाल सपुत्र गुर दयाल सपुत्र देवी दित्ता मल (नई दिल्ली) अब जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश चन्द्र सपुत्र किशनचन्द्र सपुत्र शंकर वास एन० के 0 216 मुहूल्ला चरणजीत पुरा, जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो नस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 21 मरले 186 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4227 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्रॅल्य आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी०-738/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4226, जुलाई 1974 में लिखा है जो इण्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोपाल, कृष्ण गोपाल सपुत्र श्री गुरदियाल सुपुत्र देवी दित्ताभल (नई दिल्ली) अब जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह सपुत्र राम सिंह सपुत्र तीर्थ सिंह, इण्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमेटिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 10 मरसा 190 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4226, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-७३९/७४-७५—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख नं० 3946, जुलाई 1974 में लिखा है जो न्यू जवाहर नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष्म ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह विसला सुपुत्र के सर सिंह सुपुत्र भोला सिंह रामगढ़िया, 471 न्यू जवाहर नगर जालन्धर शहर (अन्तरक)

2. (1) सत्यपाल अग्रवाल सुपुत्र गिरधारी लाल

(2) सतीश कुमार अग्रवाल सुपुत्र सत्यपाल

(3) जगदीश कुमार सुपुत्र सत्यपाल, 471, न्यू जवाहर नगर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 78 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3946, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-७४०/७४-७५—यतः, मुझे, रविन्द्र
कुमार,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन
सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4487, जुलाई 1974 को लिखा है जो 32-मिशन कम्पाऊन्ड
जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राय गोलकनाथ सुपुत्र विलियम गोलकनाथ
सुपुत्र गोलकनाथ, 3-ए० माल रोड, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री सी० आर० मलिक सुपुत्र स्वर्गीय के० वी०
मलिक प्रोफेसर स्पोर्ट्स कालेज, जालन्धर 32, मिशन कम्पाऊन्ड
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो सम्पत्ति में हचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तासम्बद्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 19 मरले जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर वसीका नं० 4487, जुलाई 1974 में दर्ज
है।

रविन्द्र कुमार,
सकम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 741/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र

कुमार,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3951, जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो गाजी गुल्ला, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तिय को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुलखन सिंह सुपुत्र अजायब सिंह सुपुत्र काहन सिंह, नीला महल, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती विद्या देवी पत्नि जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र उजागर सिंह गांव नाल तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3951, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक: 20 मार्च 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० एपी 742/74-75—यत्, मुझे, रविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4255, जुलाई 1974 को लिखा है जो सोठन रोड जालन्धर में स्थित है (और डस्से उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रसः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोपाल, कृष्ण गोपाल सुपुत्र गुरदियाल सुपुत्र देवी दिता मल (नई दिल्ली) जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती रौनकी देवी परनि गिरधारी लाल सुपुत्र दमन लाल सुपुत्र गोपी चन्द द्वारा अग्रवाल मैटल कं० सोठन रोड जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सुम्पत्ति में स्त्रि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई सी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 18 मरले 171 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर घसीका नं० 4255, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 743/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4257, जुलाई 1974 को लिखा है जो सोडल रोड जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोपाल, कृष्ण गोपाल सुपुत्र गुरदियाल सुपुत्र
देवी दित्ता मल (नई विली) जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती सरला देवी सुपुत्री किशोरी लाल (लुधियाना)
बलदेव कृष्ण सुपुत्र आसा राम सुपुत्र रुलिया राम, भुहला
शिव नगर, सोडल रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाए म
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस प्रधाय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 3 मरले 9 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4257, जुलाई 1974 में
दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रजन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्वेश सं० एपी 744/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4488, जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो मिशन कम्पाउन्ड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः ।—

1. श्री राय गोलकनाथ सुपुत्र विलियम गोलकनाथ सुपुत्र गोलकनाथ, 3-ए माल रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा सोमनाथ (प्रोफैसर) पति श्री सोमनाथ रिटाइर्ड प्रिसिपल, स्पोर्ट्स कालेज, 32-मिशन कम्पाउन्ड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा नं 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

5. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्विच रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय घुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में रामात्मा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 19 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4488, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं ए० पी 745/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3935, जुलाई 1974 को लिखा है जो बाग बाहरिया जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अप्रति:-

1. श्री रणजीत मिह सुपुत्र संतोख सिंह सुपुत्र ज्ञान सिंह रणजीत निवास महल्ला गोविन्द गढ़, जालन्धर. (अन्तरक)

2. श्री अमरनाथ भण्डारी सुपुत्र राम सरन दाम सुपुत्र गुरादियाल मकान नं० बी०/655, मुहता बाग बाहरिया, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट 7 मरले 62 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3935 जुलाई 1974 में दर्ज है ।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकार,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक : 20 मार्च 1975 ।
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश स० ए० पी० 746/74-75-यतः, मुझे, रविन्द्र
कुमार

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं०
4386, जुलाई 1974 को लिखा है जो प्रीत नगर जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन जलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
फथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्मपाल दादा सुपुत्र दीवान चन्द दादा जी० ए० फार खशी राम सेठ सुपुत्र श्री गुलबसन मल बाजार, बीहू-बाला, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री वासदेव चढ़ा सुपुत्र श्री सोमनाथ चड़ा, हरि इन्द्र मोहन सुपुत्र सोमनाथ चड़ा मैसर्ज चढ़ा प्रापटी डीलर्स, माई-हीरां गेट, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 2 कनाल 6-1/2 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4386 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 747/74-75—वतः, मुझे,
रविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4341, जुलाई 1974 को लिखा है जो बस्ती दानशमन्दां, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तारा सिंह सुपुत्र चन्दा सिंह सुपुत्र कतेह सिंह बस्ती दानशमन्दां, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री कस्तुरी लाल सुपुत्र अमर चन्द, 55, शक्ति नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 मे है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृद्ध बात मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 कनाल 1-1/2 मरला जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं० 4341, जुलाई 1974 मे दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।

भोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी० 748/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4385, जलाई 1974 को लिखा है जो प्रीत नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री धर्मपाल दादा सुपुत्र दीवान चन्द दादा जी० ए० फार खशी राम सेठ सुपुत्र सुलक्ष्म मल, बाजार बीहड़ बाला जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री वासदेव चट्ठा सुपुत्र सोमनाथ चट्ठा, हरिहरन्द्र मोहन सुपुत्र सोमनाथ चट्ठा, मैसर्स चट्ठा प्रोपर्टी डीलर्ज माई-हीरां गेट, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वच्छ रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 2 कनाल 6-1/2 मरला जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं० 4385, जलाई 1974 को दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश नं: ए पी-749/74-75—यतः मुझे रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3968 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो मिशन कम्पाऊन्ड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लिंक लैंड ऐन्ड फाइनांस कं. प्रा० लि० के द्वारा भीमेन जगोठा सपुत्र पूर्णचन्द्र सिविल लाईन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री सुनील प्रकाश सपुत्र श्री सत प्रकाश जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 10 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं० 3968 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च, 1975
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निदेश नं० ८ पी -750/74-75—यतः मुझे रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 3967 जुलाई, 1974 जो लिखा है तथा जो मिशन कम्पाऊंड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लिक लैन्ड एन्ड फार्मास कं० प्रा० लि० सिविल लाईन, जालन्धर के द्वारा भीमसेन जगोटा सपुत्र पृष्ठचन्द्र सिविल लाईन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री सूरज प्रकाश सपुत्र सत प्रकाश जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 10 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं० 3967 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निदेश नं० पी 751/74-75—यतः मुझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकून विलेख न० 4720 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा को नकोदर रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन सिंह विशन सिंह सुपुत्र लाभ सिंह गवि
वूट जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार राम सुपुत्र जगत राम गाँव मुद
त० नकोदर जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्ञ के लिए एतद्वारा कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्येयितयों पर सूचना किसी तारीख से 30 दिन की अवधि, जहे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट 3 क० 13 मरले जैसा कि रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं० 4720 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

नदेश नं: ए० पी० -752/74-75—यतः मुझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं: पलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न: 4326 जुलाई, 1975 को लिखा है तथा जो गाँव बूट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवत्—

11—46GT/75

1. किशन सिंह विश्वन सिंह सुपुत्र लाभ सिंह गाँव बूट जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री दलीप कुमार राम सुपुत्र जगत राम गाँव मुद नकोदर, जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न: 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुन्नि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट 3 का० 13 मरले जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं: 4326 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 20 मार्च, 1975
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

नदेश नं: ए० पी० -75/74-75—यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी संपत्ति का रजिस्ट्रीकृत विलेख नं: 4181 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो गाँव बूट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन सिंह विश्वन सिंह सुपुत्र लाभ सिंह गाँव बूट जिं जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री अमरजीत राम सुपुत्र जगत राम गाँव भुद त० नकोदर जिं जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं: 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 3 क० 13 म० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं: 4181 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 20 मार्च, 1975

सोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निवेश नं० ए० पी०-754/74-75—यतः मुझे रविन्द्र
कुमार
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4117 जुलाई, 1974 जो लिखा है तथा जो कृष्ण नगर, जालन्धर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जैवन्द्र सपुत्र नथुराम सपुत्र मोहरीराम जी० ए आफ शन्तिनेत्री (शान्ति) पत्नि धर्मपाल ई० एफ० 435, कृष्ण नगर जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री जगीर सिंह सपुत्र जवार सिंह, उधम कौर पत्नि जगीर सिंह गांव मक्सूद पुर तहसील फिलौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न॒ 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका न॒ 4117 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ईन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1975

निवेश सं० ए०पी०-७५५/७४-७५

यतः, मझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकेम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4116 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो कृष्ण नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अस्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जैनन्द सपुत्र नथुराम सपुत्र मोहरी राम जालन्धर जी० ए० शान्ति देवी (शान्त रानी) पत्नि धर्मपाल द० एफ० 425 कृष्ण नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री पाल सिंह सपुत्र जागीर सिंह, सुरिन्द्र कौर पत्नी पाल सिंह गांव मक्सूदपुर त९ फिलोर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० में २ है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर धर्सीका नं० 4116 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सकम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 20-3-75

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकर शायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए०पी०-७५६/७४-७५—

यतः, मझे रविन्द्र कमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4228 जलाई 1974 को लिखा है तथा को शाम शिव नगर जालन्धर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1974।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसानीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपतः—

1. श्री हरगोपाल किशन गोपाल सपुत्र गुरदियाल सपुत्र देवीदित्तामल (नई दिल्ली) जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री सुखदेव राज सपुत्र माधोराम आएरन मर्चन्ट, चोक सुदा जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कमारी जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कमारी जो सम्पत्ति में रहती रहता है।
(वह व्यक्तिश्च निजनके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भै समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 9 मरले 10 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4228 जलाई 1974 में दर्ज है।

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० एपी-757/74-75

यतः, मझे रविन्द्र कमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4230 जुलाई 1974 को लिखा है तथा को शिव नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विष्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरगोपाल किशन गोपाल सपुत्र गुरदियाल सपुत्र देवीदिता मल (नई दिल्ली) जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन्द्र पाल सपुत्र माधो राम जालन्धर
(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कमारी जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/ कमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 8 म० 183 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4230 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्र० श्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निवेश सं० ए०पी०-758/74-75—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4152 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो जवाहर नगर कालोनी लाडोवाली रोड, जालन्धर में स्थित छहे (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन चंद्रुवाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थातः—

(1) श्री दुर्गादास धर्मचन्द्र हरखन्द साल लेखराज, बलबीर सिंह, मायावन्ती पत्नी हरीचन्द वुर्गा देवी पत्नी गिरधारी लाल ई०एस०-193 मकेसूद पुर, जालन्धर (अन्तरक)

(2) ज्ञानी फाईनेंस कम्पनी प्रा० लि० लाडोवाली रोड, जगजीत सिंह म० डायरेक्टर जालन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमुमन्त्री

प्लाट 8 म० 76 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4152 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 20-3-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर:

श्रीजन रेंज, जालन्धर।

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार *

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निदेश सं० ए०पी०-७५९/७४/७५—यतः मुझे रविन्द्र
कुमार

वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4153 जुलाई, 1974 को लिखा है जो जवाहर नगर कालोनी लाडोवाली रोड जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लेखराज सुपुत्र राधाराम सुपुत्र दीवान चन्द उचा त० जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) नरंकारी मोटर फाइनेंस प्र०लि० लाडोवाली रोड, जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3.) श्री/श्रीमति/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

(4.) श्री/श्रीमति/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षारा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबधि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 8 म० 106 पफुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4153 जुलाई 1974 मे दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार,

तारीख : 20-3-1975

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज जालन्धर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए०पी०-७६०/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विवाह संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4187
जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो वस्ती शेख जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संबंधी
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्मपाल प्रेमनाथ, पवन कुमार, विजय
कुमार महिन्दर पाल सुपुत्र नन्द विश्वेश्वर सुपुत्र राम रखामल
मण्डी फैंटन गंज जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री चरंजी लाल, गुरदियाल सुपुत्र जगत राम
सुपुत्र मूलाराम, बूटा मण्डी जालन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 8 का० 5मा० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर वसीका नं० 4187 जुलाई 1974 में दर्ज है।

तारीख : 20-3-75

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
अर्जन रेज जालन्धर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निदेश सं० पा०पी०-७६१/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिगकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
3934 जुलाई 1974 को लिखा है जो वसीका नं०
वस्ती दानशा मन्दा जालन्धर में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, तिनमें सुविधा के लिए सुकर
बनाना ;

ग्रन्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्न—

(1) श्री जगदीश सिंह सुपुत्र चानन सिंह सुपुत्र हरनाम
सिंह वस्ती दानशा मन्दा जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल सुपुत्र सोहन सिंह सुपुत्र लाला
मंधी राम 74-लाजपतराय नगर जालन्धर (अन्तरिक्षी)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट 2 कनाल जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर वसीका नं० 3934 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 20-3-1975
प्रजन रेंज जालन्धर
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए०पी०-७६२/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राविदारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3948 जुलाई 1974 में लिखा
है जो 413 माडल टाउन जालन्धर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थाय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अजीत सिंह पशु सुपुत्र श्री सौदागर सिंह
सुपुत्र श्री भूप सिंह गाँव सबोवाल जालन्धर (अन्तरक)

(2) मे० परमजीत सिंह सुपुत्र हरिदयाल सिंह सुपुत्र
हरनन्द सिंह 413 माडल टाउन जालन्धर (अन्तरिती)

3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति,
जिसके अधीनीभी अन्तरित है)

4 श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका
नं० 3948 जुलाई 1974 में दर्ज है।

तारीख : 20-3-1975

सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

रविन्द्र कुमार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० ए०पी०-७६३/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3933 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो बस्ती दानशमन्दा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छुई किसी आय की उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश सिंह सुपुत्र चानन सिंह सुपुत्र हर-नाम सिंह बस्ती दानशमन्दा जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री मुलाव राज सुपुत्र सोहन सिंह सुपुत्र लाला मंधी राम 74, लाजपतराय नगर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापर भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 2 क० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3933 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 20-3-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निवेश सं० ए०पी०-७६४/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूत यिलेख नं० 4246 जुलाई 1974 को लिखा है जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से ह्रदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री करतार सिंह सुपुत्र राम सिंह सुपुत्र उद्धम सिंह गाँव लामा त० भूलथ, जि० कपूरथला (अन्तरक)

(2) श्री बलबन्त सिंह सुपुत्र अमर सिंह, जीत सिंह गाँव लामा त० भूलथ, जि० कपूरथला (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 9 क० जो कि बस्ती दानशमन्दा मे स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4246 जुलाई 1974 मे दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20-3-1975

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निवेश सं० ए०पी०-७६५/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त-अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4493 जुलाई 1974 को लिखा तथा माझे टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, 1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अजीत सिंह पूर्ण सुपुत्र सौदागर सिंह 413 माडल टाउन जालन्धर (अन्तरक)

2. रणबीर सिंह सुपुत्र निर्मल सिंह श्रीमती खुशबूत कोर सुपुत्री बकशीश सिंह श्री हरइकबाल सिंह सुपुत्र मेजर परमजीत सिंह 413 माडल टाउन जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लॉकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4493 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20 मार्च 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

निदेश सं० ए० पी०-७६६/७४-७५—यतः मुझे, रविन्द्र
कुमार

आयकर (अधिनियम (1961 (1961 का 43)) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4010 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो ज्योति नगर जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलबन्त सिंह मुपुत्र प्रेम सिंह यन्त (जी०१०) राजवोर सिंह मुपुत्र बलबन्त सिंह 92, रेडियो कालोनी जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री मोहर सिंह, बलबिन्दर सिंह परमिन्दर सिंह मुपुत्र हरभजन सिंह मुपुत्र तेजासिंह गांव दादबीर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकारी के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल-20 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर असीका नं० 4010 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख : 20 मार्च, 1975
मेरे हर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

‘जालन्धर, दिनांक 20 मार्च, 1975

सं० ए० पी०-767/74-75—यतः मुझे रविन्द्र कुमार
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2328
जुलाई, 1974 को लिखा है तथा को नवाँ शहर (जालन्धर) में
स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवाँ शहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1098 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्त्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सतलुज लैण्ड फाइनेंस प्रा० लि०, जी० टी० रोड, जालन्धर
(अन्तरक)
2. श्री गुरवन्नत सिह सपुत्र श्री हुकम सिह, नवाँ शहर, जि०
जालन्धर
(अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध भें कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन वीं अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 135 फुट जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
वसीका नं० 2328 जुलाई, 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1975

सं० ए० पी०-768/74-75—यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट जैसाकि रजिस्ट्रीकूट विलेख 327 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जोकि नवां शहर में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसः, ग्रंथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—46GI/75

1. सतलज लैंड फाइनेंस प्र० लि० जी० टी० रोड जालन्धर (अन्तरक)

2. हरभजन कौर सपुत्री गुरबचन सिंह नवां शहर (अन्तरिती)

* 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाला 35 फुट जैसा कि रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी नवांशहर, वसीका नं० 2327, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 20 मार्च 1975।

मोहर।

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961¹ (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1075

निर्देश सं० ए० पी०-769/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०,
4689, जुलाई 1974 को लिखा है जो कि नजदीक माडल
टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की
उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों
अधिकृत:—

1. श्री राम प्रकाश सुपुत्र राम लाल, अली मुहल्ला,
जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स भाटिया कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी
लि० तरलोक सिंह भाटिया के द्वारा (प्रधान) सुपुत्र नानक
सिंह, 121 आदर्शनगर, जालन्धर (अन्तरिक्षीय)

* 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

* 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 क०, 10 म०, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4689, जुलाई 1974 में
दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक 20 मार्च 1975।

मोहर:

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1975

निवेश सं० ए० पी०-७७०/७-७५—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट ऐसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4687, जुलाई 1974 को लिखा है जो कि नष्टीक माडल
टाउन जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राप्तिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
छहेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरसवती वाई विधवा राम लाल, डब्लू०
एफ० 145, अली मुहल्ला जालन्धर शहर (अन्तरक)

2. मै० भाटिया कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी
जालन्धर, श्री तरलोक सिंह के द्वारा, 121, आदर्शनगर,
जालन्धर (अन्तरिती)

* 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

* 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में श्रीओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

प्रयोगीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 कनाल 10 मरला जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
प्राप्तिकारी जालन्धर वसीका नं० 4687, जुलाई 1974 में
दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सकाम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 20 मार्च 1975।

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-७७१/७४-७५—यतः, मुठे, रविन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4830, जुलाई 1974 को लिखा है जो नजदीक माडल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रकाश सुपुत्र रामलाल सुपुत्र राम चन्द इन्होंने 145, अली मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

2. मैं भारिया कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिन के बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि सह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 कनाल 10 भरला, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर बसीका नं 4830, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 20 मार्च 1974।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एम० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी -772/74-75—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4829, जुलाई 1974 को लिखा है जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रत्युम्भी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नहृ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के छोटे ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. श्रीमती सरसवती देवी विधवा पत्नि रामलाल सुपुत्र रामचन्द्र डॉल्यू० एफ० 145, अली मुहल्ला जालन्धर। (अन्तरक)

2. मै० भाटिया कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 कनाल 10 मरला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर में वसीका नं० 4829, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।

मोहर :

प्र० आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 773/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3984, जुलाई 1974 को लिखा है जो सतनाम नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

1. श्री कुलेण लाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र रामचन्द्र
ग्रामी मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

2. मै० अमृत को-प्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी,
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृषि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 कनाल 10 मरला, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर वसीका नं० 3984, जुलाई 1974 में वर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 20 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 774-74-65—यतः, मुझे, रविन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
3972, जुलाई 1974 में लिखा है जो सतनाम नगर जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घनकर अधिनियम, (1957
27) का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में
सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : -

1. श्री कृष्ण लाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र राम चन्द्र
छम्हू एफ० 145, श्रीली मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

2. मैं अमृत को-आपरेटिव हाउस विल्डिंग सोसाइटी
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6 कनाल 11 मरला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
प्राधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3972, जुलाई 1974 में
दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975।

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-७७५-७४-७५—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत लिखे नं० 3889, जुलाई 1974 को लिखा है जो सतनाम नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम [] के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण लाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र रामचन्द्र, डब्ल्यू० एफ० 145, श्रीली मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

2. मैं० अमृत को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6 कनाल 10 मरला, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3889 जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-७७६/७४-७५—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेव नं०, 3897, जुलाई 1974 को लिखा है जो सतनाम नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—46GI/75

1. श्री राम प्रकाश सुपुत्र राम लाल सुपुत्र राम चन्द डब्ल्यू० एफ० 145, श्री मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री अमृत को-श्रापरेटिव हाउस विलिंग सोसाइटी, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 6¹ कनाल 10 मरला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर [वसीका नं० 3897, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 20 मार्च 1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर का कार्यालय
जालन्धर दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-७७७/७४-८५—यतः, मुझे, रविन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4256, जुलाई 1974 को लिखा है जो सतनाम नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए सुकर बनाना;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण लाल सुपुत्र राम लालों सुपुत्र राम अन्द्र, डब्ल्यू एफ० 145, अली मुहल्ला, जालन्धर (अन्तरक)
2. मैं० अमृत को-आपरेटिव हाउस विलिंग सोसाइटी, जालन्धर (अन्तरिक्ती)
3. जैसा कि नं० में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 4 कनाल जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4256, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 20-3-1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर का कार्यालय
जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 778/74-75—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3898, जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो सतनामनगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरसवती विधवा राम लाल सुपुत्र राम चन्द डब्ल्यू० एफ० 145, अली मुहल्ला जालन्धर (अन्तरक)
2. अमृत को-आपरेटिव हाऊसिंग विलिंग सोसाइटी जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 5 कनाल 4 मरला जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 3898, जुलाई 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 20 मार्च 1975
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर का कार्यालय
जालन्धर, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० 779/74-75--यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4813, जूलाई 1974 को लिखा है जो सतनाम नगर, नजदीक माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जूलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री शाम कुमार सुपुत्र सतपाल (जी० ए०) गुरबक्स सिंह, तिलोचन सिंह सुपुत्र जीवन सिंह, श्रीमती राजकौर पत्नि गुरबक्स सिंह, 545 माडल टाउन जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती आज्ञा वती पत्नि राम लाल गांव कुकर पिंड जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याचाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितरणों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट 1 कनाल 18 मरला, 129 फुट जो सतनाम नगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर वसीका नं० 4813 जूलाई 1974 में दर्ज है ।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक: 20 मार्च 1975

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th March 1975

No. A 12019/2/74-Admn.II.—In partial modification of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 30th November, 1974, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri P. Chatterjee, a permanent Mechanical Tabulation Officer in the office of the Union Public Service Commission, to officiate on a regular basis, in the post of Director (DP) in the office of the Union Public Service Commission, with effect from 24-2-75 until further orders.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 26th March 1975

No. A 11013/2/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 29-10-1974, 4-12-1974 and 7-12-1974, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Section Officers/Assistants of the C.S.S., cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officers (Special) in the Commission's Office for a further period of six months with effect from 1st March, 1975 (F.N.) or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :—

S. No. Name and Post held in CSS cadre

S/Shri

1. Vir Singh Riat, Section Officer.
2. B. S. Jagopota, Section Officer.
3. J. P. Goel, Section Officer.
4. R. N. Khurana, Section Officer.
5. S. Srinivasan, Section Officer.
6. B. N. Arora, Section Officer.
7. S. K. Arora, Assistant.
8. K. L. Kalyal, Assistant.
9. H. R. Rishiraj, Assistant.

2. The appointment of the aforesaid Officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Secretary
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 11th March 1975

No. A.P./1851-Admn.I.—The following permanent Section Officers of the Central Secretariat Service appointed to officiate in Grade I of the Central Secretariat Service until further orders from the dates noted against their names *vide* Department of Personnel and Administrative Reforms (Cabinet Secretariat) Notification No. 4/58/74-CS(I), dated 21st February, 1975, have been appointed to officiate as Under Secretaries in the office of the Union Public Service Commission with effect from the same dates :—

Name of Officer	Date from which appointed in Grade I of the C.S.S.
1. Shri K. R. Parthasarthy,	22-1-75 (F.N.).
2. Shri S. M. Y. Nadeem,	27-1-75 (F.N.).

The 15th March 1975

No. P/1562-Admn.I.—Shri M. B. Nair who was re-employed in Grade I of the Central Secretariat Service and Under Secretary, U.P.S.C. *vide* this office Notification of even number dated 21st January, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, U.P.S.C. with effect from the afternoon of 28th February, 1975.

The 17th March 1975

No. A. 32013/2/73-Admn.I.—Shri N. K. Prasad, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service, who was earlier appointed to officiate in Selection Grade of the Service with effect from 19-6-74 to 28-2-75 has since been appointed to officiate in the Selection Grade of the Service with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders *vide* Cabinet Secretariat, Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. F. 4/43/73-CS(I) dated 10th March, 1975. Shri N. K. Prasad will continue to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders.

No. A. 32014/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Kholana, officiating Senior Personal Assistant (Grade I of the CSSS), in the cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Selection Grade of the CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of three months w.e.f., 1-3-75 (F.N.), or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. A. 32013/1/75-Admn.I. dated 24th January, 1975, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

2. On her reversion, Miss S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri G. P. Vij, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the service *vide* this office Notification No. A. 32013/1/75-Admn.I. dated 7-2-1975 relinquished charge of the office of Under Secretary Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

2. On his reversion, Shri G. P. Vij, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

No. A. 32013/2/73-Admn.I.—Shri R. S. Goela, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service, who was earlier appointed to officiate in Selection Grade of the Service with effect from 5-4-74 to 28-2-75, has since been appointed to officiate in the Selection Grade of the Service with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders *vide* Cabinet Secretariat Department of Personnel and Administrative Reforms, Notification No. F. 4/43/73-CS(I), dated 10th March, 1975. Shri R. S. Goela will continue to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 25th February 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. R. Rishiraj, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 21-9-74 to 5-11-74 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission

FORM ITNS

(1) B. Buphendra Nath (Transferor)

(2) Shrimati J. Lalita Laxmi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE KAKINADA.

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Kakinada, the 1st April 1975

Ref. No. Acq. File No. 184 J. No. I(340)/74-75.—
Whereas, I, K. Subbarao being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey

No 40-4-51 situated at Labbipetta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Vijayawada on 31-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Vijayaada Sub-Registrar—Vijayawada Municipality—Vijayawada Town—Asstt. No. 26414—N.T.S. No. 100—Revenue ward No. 11—Door No. 40-4-51—Dabbipet—680 Sq. Yds.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-KAKINADA.

Date 1-4-1975.

Seal :

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Kay-Am Processors.
2, Gajapathy Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6,

MADRAS-6, the 10th April 1975

Ref. No. F.IX/8/66/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13A and 13B situated at East Mada Church Road, Royapuram, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

West Madras on August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Tamilnadu Flour Mill Machinery Manufacturing Corporation.
35, Govindappa Naick St., Madras-1.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings bearing door Nos. 13A and 13B, East Mada Church Road, Royapuram, Madras measuring 6 grounds and 1800 sq ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 10-4-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 30th September 1974

Ref. No. F. No. Acq./169/M Nagar/74-75/1838.—Whereas, I Y. Khokhar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 24-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely :—

- (1) L. Brahma Swarup S/o L. Sukhbir Sinha, Civil Lines, Muzaffarnagar.
(Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.
(Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hanraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz

21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma Swarup, Chairman, Muzaffarnagar
Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Person in occupation of the property)

- (4) Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhay Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property known as 'Sukhbir Sinha Park Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kohti with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 16 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds. 86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts WEST, Church Road, Jansat Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

- (1) Ground floor; 15859 sq. ft.
- Upper Story; 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-9-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq./M Nagar/74-75/172/184.—

Whereas, I, Y. Khokhar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 24-8-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vedwati Swaroop w/o Shri Brahma Swaroop Civil Lines Muzaffarnagar.
(Transferor)(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary Muzaffarnagar.
(Transferee)

(3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
 2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
 3. " Om Prakash Hansraj
 4. " Hansraj Bodh Raj
 5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
 6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
 7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
 8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
 9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
 10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
 11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
 12. " Sohan Lal S/o Shri Shiveharan Das
 13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
 14. " Diwan Chand
 15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
 16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
 17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
 18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
 19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
 20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz

21. U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma Swarup, Chairman, Muzaffarnagar.

Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Person in occupation of the property)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Brahma Swarup (Individual)

Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Sarwan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Prabhakar Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds. -86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts WEST. Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

- (1) Ground floor; 15859 sq. ft.
Upper Story; 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-9-1974,

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq./174/M Nagar 574-75/1837.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 26-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Srawan Kumar Swarup Civil Lines, Muzaffarnagar.
(Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.
(Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz

21. S/Shri U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property known as 'Sukhbir Sinha Part' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds. -86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

- (1) Ground floor; 15859 sq. ft.
Upper Story; 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq./143/M.Nagar/74-75/1842.—
 Whereas, I, Y. Khokhar,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 5-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Swaran Kumar Swarup Civil Lines, Muzaffarnagar.
 (Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.
 (Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
 2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
 3. " Om Prakash Hansraj
 4. " Hansraj Bodh Raj
 5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
 6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
 7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
 8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
 9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
 10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
 11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
 12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
 13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
 14. " Diwan Chand
 15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
 16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
 17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
 18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
 19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
 20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz

21. S/Shri U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma Swarup, Chairman, Mazaffarnagar
 Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.
 Smt. Vedwati Swarup (Individual)
 Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
 Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
 Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
 Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual).
 Shri Brahma Swarup (Individual)
 Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
 Shri Govind Swarup (Individual)
 Shri Hari Raj Swarup (Individual)
 Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
 Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)
 Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48(h share of property known as 'Sukhbir Sinha Park, Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :—

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds. -86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

- (1) Ground floor; 15859 sq. ft.
 Upper Story; 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-Tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 19th September 1974

Ref. No. F. No. Acq./167/M. Nagar/74-75/1836.— Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 23-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jyotsna Swarup w/o L. Gopal Raj Swarup, Ram Bagh, Muzaffarnagar. (U.P.). (Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar. (Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. „ Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. „ Om Prakash Hansraj
4. „ Hansraj Bodh Raj
5. „ Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. „ Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. „ Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. „ Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. „ Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. „ Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. „ Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. „ Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. „ Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. „ Diwan Chand
15. „ Afzal Ahmad Nafis Khan
16. „ Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. „ Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. „ Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar

- 19. S/Shri Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. „ Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. „ U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma Swarup, Chairman, Muzaffarnagar
Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.
Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)
Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.
(Persons whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property known as 'Sukhbir Sinha Part' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :
 A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
 (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of in 175 sq. yds.
 (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260
 B. (1) Single storied pucca kutcheri Post Office building in 30 sq. yds.
 (2) 11 single storied shops near Kutcheri Post Office in 175 sq. yds.
 (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
 (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

- (1) Ground floor: 15859 sq. ft.
Upper Story: 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th December 1974

Ref. No. Sub-Reg-Indore/318-74.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipality No. 62 Old Rajwada, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person namely :—

- (1) M/s. Princes Usha Trust, Indore. (Transferor)
- (2) R. B. Onkarji Kasturchand (Properties) 50, Shital Mata, Bazar, Indore. (Transferee)
- (3) List of 45 Tenants of Old Rajwada, Indore.

Gumtis of Southern Side

1. Shri Rajendrakumar Babulal Jain.
2. Shri Vinaychand Manakchand
3. Shri Babulal Gopilal Jain
4. Shri Vinaychand Pannalal
5. Smt. Kunwarbai W/o Abdul Rahaman Gulam Rasul S/o Abdul Rahaman
6. Shri Bhagvandas Phatandas
7. Shri Madhavdas Phatandas
8. Shri Parvatrao Kishanrao
9. Shri Shantilal Mulchand
10. Shri Abdul Latif Abdulgani
11. Shri Nanakram Jamnadas
12. Shri Mohanlal Rinphamal

- 13. Shri Parashram Chattamal *Inside the Palace*
- 14. Shri Kailash Ramnarayan
- 15. Shri Mahesramnarayan (Cycle stand)
- 16. State Bank of Indore. *Gumtis of Northern Side*
- 17. Shri Hiralal Prabhudas
- 18. Shri Govindram Balumal TARFE Vishnudas
- 19. Shri Kamalkumar Khushiram
- 20. Govardhandas Bedamal
- 21. Shri Sujitmal Keshardas
- 22. Shri Hasapand Vatumal
- 23. Shri Gulab Bhai Karimbhai
- 24. Smt. Gomabai Mulchand
- 25. Shri Daulatram Pesumal
- 26. Shri Bishandas Vatumal
- 27. Shri Vishandas Vatumal
- 28. Smt. Rajeshri W/O Manoharlal
- 29. Shri Onkarsingh Meharban Singh
- 30. Shri Mansingh Shyam Singh
- 31. Shri Harbhajansingh Meharban Singh
- 32. Shri Meharban Singh Mansingh
- 33. Shri Sureshkumar Hariram
- 34. Shri Chandrakumar Holaram
- 35. Shri Hariram Kewalram
- 36. Shri Tularam Khubchand
- 37. Shri Banshilal Saduram
- 38. Smt. Rukkibai R/O Khushaldas
- 39. Shri Purshottamdas Laxminarayan
- 40. Shri Parashram Chittamal
- 41. Shri Abdulbhai Abdulla
- 42. Shri Allanur Karimba
- 43. Shri Manoharlal Khushaldas
- 44. Shri Manoharlal Khushaldas
- 45. Smt. Ishwari Bai Khemchand

(Persons in occupation of the property)

- (4) Chief Secretary, Government of Madhya Pradesh, Bhopal (M.P.).
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 62—Old Rajwada, Indore (M.P.) 60409 sq. ft.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-12-1974,

Seal :

FORM ITNS

(2) Venkateswara Ware Housing Corporation, 2,
Gajapathy Road, Madras-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th April 1975

Ref. No. F.IX/8/67/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. 316 (Part) situated East Mada Church Road, Royapuram, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

West Madras on August, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Tamil Nadu Flour Mill Machinery Manufacturing Corporation, 35, Govindappa Naick St., Madras-1.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 grounds and 1800 sq. ft. bearing R.S. No. 316 (Part) at East Mada Church Road, Royapuram, Madras.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th April 1975

Ref. No. F. IX/8/68/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. R.S. 3976/10 situated at Ellaya Mudali Street, Tondiarpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at West Madras on August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Savitha, C/o Shri Norangaraj Gupta, Fair Lands, Salem.
(Transferor)

(2) M/s. Vijayakumar & Nirmalkumar, 5, Rajasekhara Mudaliar Road, Mylapore, Madras-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 grounds & 950 sq. ft. in R.S. No. 3976/10, Block No. 76, Ellaya Mudali Street, Tondiarpet, Madras-81.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 11-4-1975.

(Seal) :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th April 1975

Ref. No. F. IX/8/69/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. R. S. 314 Part situated at Thandavamurthy Chetty Street, Royapuram, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Madras on 15-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Southern Warehousing Company, 93, Thambu Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 8 grounds and 109 sq. ms. bearing R.S. No. 314 (Part) situated on Thandavamurthy Chetty Street, Royapuram, Madras.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

(1) Esso Eastern Inc., 24, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

Date : 10-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Tamilnadu Flour Mill Machinery Mfg. Corpn.,
35, Govindappa Naicken St., Madras-1.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th April 1975

Ref. No. F. IX/8/70/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. R.S. No. 316 situated at East Mada Church Road, Royapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

West Madras on August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Esso Eastern Inc., 24, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

16—46GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings bearing R.S. No. 316 in East Mada Church Road, Royapuram, Madras measuring 41 grounds and 1420 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. K. Dhanalakshmi, A-74, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.IX/3/53/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 25-A situated at Chellammal Street, Madras-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II, Madras on August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. S. Harikrishnan, 25-A, Chellammal Street, Madras-30.
(Transferor)

Land and building bearing door No. 25-A, Chellammal Street, Madras-30 and R.S. No. 26/1, T.S. No. 6, Block-17 of Aminjikarai, Madras measuring about 4485 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 11-4-1975.
(Seal) :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 7th October 1974

Ref. F. No. Acq/167/KNP/74-75/1862.—Whereas, I Y. Khokar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot A-3, Block 'C' Kakadeo Scheme No. I, Sarvodaya Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 13-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ram Pal Bharadwaj S/o Sri Bakhtawar Singh, R/O Ruhana House, Muzaffarnagar, presently R/O 15/281, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) Jakhodia Engg. Works (P.) Ltd., Pokharpur, Chakeri Road, Kanpur, through Sri Bhola Ram Agarwal S/o Late Sri Shivkarandas Agarwal, R/O Pokharpur, Chakeri Road, Kanpur, Director of the Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. A-3, Block 'C', Kakadeo Scheme No. 1, situated at Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,20,000.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7-10-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Dolatram Silk Mills, on behalf of the firm—
its partner Shri Gangaram Dolatram Gulwani,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th September 1974

Ref. No. 154 Acq. 23-126/19-7/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 383 Muni. Ward No. 15—Rev. S. No. 383 Paiki—Plot-3 Katargam, Tal. Chorasi, Ashwinikumar Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chunilal Ranchhoddas Jariwala—HUF through its Karta—Ramanlal Chunilal Jariwala and Power of Attorney Holder for Hirnalal Chunilal Jariwala, Surat.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 383 mun. Ward No. 15—Rev. Sur. No. 383 Paiki Plot No. 3—Final Plot No. 82 in T.P.S. No. 4 admeasuring 3855 Sq. yards situated at Katargam Tal. Chorasi, Ashwinikumar Road, Surat as mentioned in the registered deed No. 261 of August, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Hyderabad Displaced Persons Housing Cooperative Society, Pendherghast Road, Secunderabad. Represented by its Secretary S. P. Bhaghawandass.
(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd September 1974

Ref. No. RAC. No. 29/29/74-75.—Whereas, I S. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mohd. Fazluddin Khan, Bashirbagh, Hyderabad, H. No. 5-9-30/1, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transfror)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Open land 7125, Sq. yds. part of municipal No. 5-9-30/1, Basheerbagh, Hyderabad.
Bounded :

North—By 30 Feet road

South—M.L.A. Quarter H. No. 5-9-32/3.

East—By Mosque and private Road, which is not included in the land agreed to be sold.

West—Plot of Shri Bhaghawandass.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 23-9-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 27th December 1974

Ref. No. Acq. 23-I-316(115)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 47, situated at Village : Okaf, Taluka-City: Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 19-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Mahalaxmi Ice Factory, Partners : S/Shri Maganbhai, Vithalbhai Patel, Moje Adla, Taluka, Viramgam, S/Shri Ramanlal Narandas Thakkar, Viramgam.

(Transferor)

- (2) The Bharat Ice Factory, Partners : S/Shri Sendhabhai Joitaram Oza, Moje Jotana, Distt. Mehsana, S/Shri Kasambhai Adambhai Mandli, Viramgam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with structure) admeasuring 4000 sq. yds. bearing Survey No. 47, situated at Village : Okaf, Taluka-City : Ahmedabad and bounded as under :—
East—Land of Shri Somabhai Nayak
West—Landbearing Survey No. 47
North—Govt. Narrow Road.
South—Property of Usha Co-op. Housing Soc. Ltd.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 27-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) (1) Shri Raja Kishor Modi (2) Ramesh Kumar Modi
S/o Monnai Lal Modi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 17th December 1974

Ref. No. 17/74-75/IAC(AR)/BBSR.—Whereas, I, G. B. Chand, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 102 situated at Mouza-Gobind Prasad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 29-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structures thereon situated at Mouza—Gobind Prasad (New Capital, Bhubaneswar), Dist. Puri within the jurisdiction of the Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 5808 dated 29-8-74.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Debendra Kumar Patanaik S/o Late Bala Krishna Patanaik
(Transferor)

G. B. CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 17-12-74

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Pravir Vijayrat Hazrat, 2. Shri Paranjay Vijayrat Hazrat, "Sant Villa", Kar Michel Road, Bombay.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIONG ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2nd Floor, Handloom House Ashram Road,
Ahmedabad-380009

Ahmedabad-380009, the 9th January 1975

(2) 1. Shri Manubhai H. Patel, 2. Smt. Shantaben Manubhai Patel, 3. Shri Yashvant Manubhai Patel, 4. Shri Dilip Manubhai Patel, 5. Shri Pravin Manubhai Patel, Elisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. 23-1-301(123)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 255 S.P. No. 1, T.P. Scheme No. 3 Shekhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land admeasuring 2004 sq. yds. alongwith bungalow bearing Final Plot No. 255, Sub-Plot No. 1 of T.P. Scheme No. 3 situated at Shekhpur-Khanpur alias Navrangpura, Ahmedabad and bounded as under :—

East : Road.
West : F.P. No. 254.
North : Road
South : S.P. No. 4.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babubhai Mulchand Patel, Darshan Society,
Near Stadium, Navrangpura, Ahmedabad,
(Transferor)

(2) (i) Shri Dineshchandra Chandulal, (ii) Shri Vasudev
Kachralal, (iii) Smt. Kamlaiben Kantilal, 22/24,
Ganesh Wadi, 1st Floor, Zaveri Bazar, Bombay-2.
(Transferee)

(3) State Bank of India, Naranpura, Ahmedabad,
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
22ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th December 1974

Ref. No. Acq. 23-I-304(113)/1-1/74-55.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 176, 180-1, S.P. No. 8, F.P. No. 155 of TPS No. 19 situated at Sheikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—46GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 419 sq. yds, bearing Survey No. 176, 180-1, Sub-Plot No. 8, Final Plot No. 155 of T.P. Scheme No. 19 and situated at Sheikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad and bounded as under :—

East : S.P. No. 7

West : S.P. No. 9

North : S.P. No. 4 & 5,

South : 40 ft. wide road.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-12-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 11th December 1974

Ref. F. No. Acq/166/KNP/74-75/2329.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32 situated at Sarvodaya Nagar Karka Deo Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 8-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property bearing No. 32 B, a single storey building having 5 rooms and a garage having an area of 1031.2 sq. yds. situated at Sarvodaya Nagar, Kakadeo, Khanpur transferred for apparent consideration of Rs. 95,000/-.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sheela Sharma Wd/O Sri K. K. Sharma, 92, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Darshan Kaur W/o S. Raghbir Singh, 111A/259, Ashok Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-12-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jai Narain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 5th November 1974

Ref. No. 28-A/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Amroha in Distt. Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amroha on 2-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One shop situated at Mohalla-Katra Gulam Ali, Amroha in distt. Moradabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Dated 5-11-74

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Jai Narain & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Raj Narain Tandon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 5th November 1974

Ref. No. 27-R/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I. A.C.,
Acquisition Range, Lucknow,
being the Competent Authority under Section
269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
(hereafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. situated at and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred as per deed Registered
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer Indian at
Amroha on 2-8-1974

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storied Shop situated at Amroha Distt. Moradabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

Dated : 5-11-74

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Saran Singh Sethi, Son of late Uttam Singh Sethi, P.O. Golaghat, Assam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 11th November 1974

Ref. No. A-75/74-75/3370-75.—Whereas, I, N. Pachuau, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ten P. P. No. 24 Dag No. 6485 situated at Golaghat Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Golaghat on 24-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Binod Kumar Agarwalla (minor) represented by his father Shri Satyanarayan Agarwalla, P.O. Golaghat, Dist. Sibsagar, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) katta 8½ (eight and a half) lechas covered by ten P.P. No. 24 Dag No. 6485 of Golaghat Town in Mouza Mawkhwa in the district of Sibsagar of Assam State.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. PANCHUAU
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

(1) Saran Singh Sethi Son of late Uttam Singh Sethi,
P.O. Golaghat, Assam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D⁽¹⁾ OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-V
SHILLONG

Shillong, the 11th November 1974

Ref. No. A-76/74-75/3376-79.—Whereas, I, N. Pachuau, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ten periodic patta No. 24 Dag No. 6485 situated at Golaghat Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Golaghat on 24-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Santosh Kumar Agarwalla (Minor) represented by his father Shri Satya Narayan Agarwalla, P.O. Golaghat, Assam.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) katta 8(eight) lechas covered by ten periodic patta No. 24, Dag No. 6485 of Golaghat Town in Mouza Mew Khewa in the district of Sibsagar of Assam State.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong

Date : 11-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Fathima, d/o Kochu Fathimmal, Beena Mahal, Valacode, Punalur Village, Quilon District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM

Ernakulam, the 5th April 1975

Ref. No. L.C.30/75-76.—Whereas, I, M. M. Kurup, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Punalur Village in Quilon District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Punalur on 29-7-1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. K. Oomen, s/o Kurien, Managing Director, Bebe Rubber Estates Ltd. Bebe Estate Bungalow, Punalur Village, Punalur. 2. Sri Prasad, s/o Oomen, Director Bebe Estates Ltd.; House No. 4, Perlaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 acres rubber estate in Survey Nos. 599/1/77, 599/1/152, 599/1/158, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 in Punalur Village Punalur Muru, Quilon District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 5-4-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 7th April 1975

* Ref No. LC. 31/75-76.—Whereas, I, M. M. Kurup, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2) situated at Nagasom Amsom Desom, Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 1-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishindas Pocker Das, S/o Pocker Das, Banker, Nagasom, Calicut. (Transferor)

(2) Shri K. B. Govinda Rao, S/o K. B. Devadasa Rao, Advocate and Taxes Consultant, Katcheri Amsom Kurumbrakattisseri Desom, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th mghts in 14.71 Cents of land with building No. 11/179A in Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2) in Nagasom Amsom Desom in Calicut Town in Calicut District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-4-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. B. Govinda Rao, S/o K. B. Devadasa Rao, Advocate and Taxes Consultant, Katcheri Amsom Kurumbukattasser; Desom, Calicut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
'JYOTIRI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 7th April 1975

Ref No. I.C. 32/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 39/6A(R.S. 11-2-75/2) situated at Nagasom Amsom Desom, Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 26-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4/5th michts in 14.71 Cents of land with buliding No. 11/179A in Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2) in Nagasom Amsom Desom in Calicut Town in Calicut District.

M. M. KURUP,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 7-4-75.

Seal :

(1) Shri Vishindas Pocker Das, S/o Pocker Das, Banker, Nagasom, Calicut.
(Transferor)

FORM ITNS

Mohan Banerjee.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Bazzaz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I,
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th April 1975

Ref. No. IR-172/C-152/Cal 2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

9 and 9/1, situated at Talbagan Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 14-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sm. Minoti Banerjee, 2. Sm. Sovi Banerjee,
3. Sm. Kana Mukherjee, 4. Sri Kalyan Mohan Banerjee, 5. Sri Ashis Mohan Banerjee, 6. Sri Anil

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land containing an area of 3Kts, 15 Chs, and 1 sq. ft at Premises No. 9 and 9/1, Talbagan lane, (formerly 5, Talbagan Lane), mouza Tiljala P. S. Beniapukur Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) 1. Sm. Minoti Banerjee, 2. Sm. Sova Banerjee,
 3. Sm. Kana Mukherjee, 4. Sri Kalyan Mohan
 Banerjee, 5. Sri Ashis Mohon Banerjee, 6. Sri
 Anil Mohon Banerjee.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Nayar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
 (3rd Floor), 54, RASH AHMED KIDWAI ROAD,
 CALCUTTA-16

[Signature]
 Calcutta-16, the 11th April 1975

Ref. No. TR-174/C-154/Cal 2/4-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1967) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Talbagan Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at the Registering officer Sealdah on 14-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land containing an area of 4 Kts, 1 chittacks and 14 sq. ft. at premises no. 9, Talbagan Lane, (formerly 5, Talbagan Lane) mouza Tilala P.S. Beniapukur, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax,
 Acquisition Range-I,
 (3rd Floor), 54, Rash Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 11-4-75.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I,
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th April 1975

Ref. No. TR-173/C-153/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Talbagan Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sealdah on 14-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sm. Minoti Banerjee, 2. Sm. Sova Banerjee, 3. Sm. Kana Mukherjee, 4. Sri Kalyan Mohan Banerjee, 5. Sri Ashis Mohan Banerjee, 6. Sri Anil Mohan Banerjee,

(Transferor)

(2) Sri Kripal Singh Hora.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land containing an area of 4 Cottahs 7 sq. ft. being the portion of 9, Talbagan Lane, Touzi No. 1298 P. S. Beniapukur, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-4-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Jyoti Bala Chakraborty,
 2. Sri Aml Baran Chakraborty,
 3. Sri Provan Mohan Chakraborty, All of
 133, Acharya Pratul Ch. Road, Calcutta-6.
 (Transferor)

(2) Shrimati Maya Chakraborty w/o Sri Pabitra Kr.
 Chakraborty, 68K Graham Road, Calcutta-40.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
 INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-III,
 CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1975

Ref. No. 244/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,
 being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

68K situated at Graham Road, Calcutta-40

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar, 24-Pgs. on 1-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire first floor consisting of bed rooms, baths balcony, kitchen etc. together with ½ share of the land situated at premises No. 68K, Graham Road, P. S. Jadavpur as per deed No. 3627 of 1974 registered before the Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 4-4-1975

Seal :

FORM IIINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1975

Ref. No. 243/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68K situated at Graham Road, Calcutta-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar, 24-Pgs. on 1-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Jyoti Bala Chakraborty.
2. Sri Anil Baran Chakraborty.
3. Sri Prosanna Mohan Chakraborty, All of
133, Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta-6.
(Transferor)

- (2) 1. Pabitra Kumar Chakraborty.
2. Uma Banerjee,
68K, Graham Road, Calcutta-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two flats at the ground floor consisting of 5 bed rooms, kitchen, bath, w.c., garage, store etc. together with $\frac{1}{2}$ share of land situated at premises No. 68K, Graham Road, Calcutta-40, P. S. Jadavpur, as per deed No. 3638 of 1974 registered before the Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-III,
54, Razi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 4-4-1975.

Seal :

FORM ITNS-

(2) Shri Alok Kumar Mukherjee,
59/1, Panchanatala Road, Howrah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1975

Ref. No. 188/Acq. R-III/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 21 (Portion) situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Calcutta on 31-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parbati Prasanna Ghosh,
10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

Date : 31-3-1975.

Seal :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottahs 15 chittacks 29 sq. ft. more or less being the portion of premises No. 21, Gurusaday Road, Calcutta as per deed No. I-4663 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

FORM I.T.N.S.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1975

Ref. No. AC-207/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (41 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2803 & 2804, situated at Italgachha Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided $\frac{1}{2}$ share of land measuring 2 cottah 14. Chittaks & Building (Kamala Bhawan) thereon at Kh. No. 976, 986 Dag No. 2803, & 2804. Italgachha Road, Dum Dum Vill. Sultanpur, Dist. 24, Parganas.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Asit Kumar Bhowmick (Transferor)

Date : 21-3-75

(2) Shri Promode Agarwalla

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Krishna Kundu, Pranballay Kundu, Ashif Kumar Kundu, Gopal Chandra Kundu & Smt. Jogmaya Kundu w/o Sri Pranballav Kundu at 2, Raja Debendra Narayan Deb Lane, Calcutta-5.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1975

Ref. No. AC-209/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 109, situated at Shyambazar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-7-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant plot of land measuring 3K. 4 Ch. at premises No. 109 Shyambazar St., Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Govindlal Pal Chowdhury, 4B, Curuprosad Chowdhury Lane, Calcutta.
(Transferor)
19—46GI/75

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 31-3-75
Seal :

FORM ITNS

(2) Sri Radhika Kanta Chowdhury 17/3, Ritchie Road, Calcutta.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1975

Ref. No. 247/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/2, situated at Ritchie Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Jamuna Devi W/o Haradhan Chatterjee, 4/2, Leonard Road, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 2 Kattah 9 Chattacks more or less situated at and being part of the premises No. 17/2, Ritchie Road, Calcutta as per deed No. I-5340 of 1974 registered before the District Sub Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

on 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Zubaida Begam, 13, Humza Saheb Street, Dod-mavalli Bangalore-4.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 24th March 1975

Ref. No. C.R. 62/2763/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Site No. 2 out of property 194/1 (Old No. 75/3) situated at IX Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Basavanagudi Bangalore-4 document No. 1683 on 8-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri A.M. Safiulla 12, Veppery High Road, Madras-3.
(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site No. 2 formed out of property No. 194/1 (Old No. 75/3), 9th Cross, II Block, Jayanagar Bangalore-11.

BOUNDARIES

E : A portion retained by the Vendor.
W : Portion sold to Hyder Khan as site No. 1.
N : 9th Cross
S : Portion of sites 75/2B, 75/2C of Timri Madina Bi.
E W : 45'
N S : 134'
Document No. 1683/8-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 24-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. M. Safiulla, 12, Vepery High Road, Periampet, Madras-3.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 24th March 1975

No. C.R. 62/2794/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site No. 3 (out of property 194/1) (Old No. 75/3) situated at 9th Cross Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4, Document No. 1982 on 29-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Azeez Khan 13, Hamza Saheb Street, Doddamavalli, Bangalore-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 194/1 (Site No. 3), 9th Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Corporation Division No. 33).

Boundaries :

E : Sites 399 & 400 and Corporation drain.
W : A portion of site sold to Smt. Zubaida Begam.
N : 9th Cross Road, Jayanagar.
S : Portion of sites No. 75/2 & 75/2 C of Timri Madina Bi Saheb.

Site area : E W : 21' on the North 22' on the South
N S 150' on the East 134' on the West
Document No. 1982/29-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 24-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Hyder Khan, S/o Hussain Khan, 13, Hamza
Saheb Street, Dodmavalli, Bangalore-4, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 24th March 1975

No. CR.62/3828/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A portion of site No. 194/1, situated at IX Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-560011,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Document No. 1645 on 5-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri A. M. Saifiulla, Oosmanpet, I Street, Keelandi, Melvisharam, North Arcot District. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of vacant site No. 194/1, situated on 9th Cross Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11 and measuring

N—S: 134'

E—W: 45'

Document No. 1645 Dt. 5-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 24-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd April 1975

No. CR. 62/2776/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Sital land with structures called the 'Park House' Annexe and garage forming part of Door No. 850, New No. 12, situated at Mirza Road, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Head Quarters, Sub-Registrar, Mysore Doc. No. 1401/74-75 on 5-7-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) The Trustees of Maharaja Kumari Vishalakshi—Devi Avaru Trust, Palace, Mysore.
The Trustees are:
1. Smt. Tripura Sundarammi Avaru, 2. Srikantha Datta Narasimharaja Wodeyar, 3. Sri H. N. Palegar, I.A.S. (Retd.)

(Transferor)

(2) Shri D. T. Sundera Raja Rao, No. 1214/6, Ittigegud, Mysore. (Transferee)

(3) Shri K. K. Kapur, Scientific Officer, Air Force Selection Board, Mysore (Tenant in park house annexe)
(Person(s) in occupation of the property).

(4) Srce Manjunatheshwara Packing Products and camphor works, No. 851, (New No. 13) Package House, Thandisadak Road, Nazarbad Mohalla Mysore.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sital land with structures called the 'Park House' Annexe and garage forming part of Door No. 850 New No. 12, Mirza Road, Mysore. (Total area 12927 sq. yds.)

	Measuring
North : Mirza Road	226'
South : Lokaranjan Mahal Road,	242'
East : Garage Road,	512'
West : Park House Building,	519'
Doc. No. 1401/74-75 dated 5-7-1974.	

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Sree Manjunatheshwara Packing Products and camphor works No. 851, (New No. 13) Package House, Thandisadaka Road, Nazarbad Mohalla, Mysore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd April 1975

No. CR.62/2778/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a portion of land with servants quarters, measuring 3704 sq. yards, forming part of Old No. 850, New No. 12, situated at Mirza Road, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Headquarters, Sub-Registrar, Mysore Doc. No. 1537/74-75 on 30-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri D. T. Sunder Raja Rao, 23, Palace Model House, Ittigegud, Mysore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a portion of land with servants quarters measuring 3704 sq. yards, forming part of old No. 850 and New No. 12, Mirza Road, Mysore.

Doc. No. 1537/74-75 dated 30-7-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. T. Sunder Raja Rao, 23, Palace Model House, Ittigegud, Mysore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd April 1975

No. CR. 62/2781/74-75/Acq.(B).—Whereas I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a portion of land with dilapidated sheds measuring 4563 sq. yards, forming part of old No. 850, New No. 12, situated at Mirza Road, Mysore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters, Sub-Registrar, Mysore, Doc. No. 1560/74-75 on 31-7-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sree Manjunatheswara Packing Products and camphor works, No. 851, (New No. 13) Package House, Thandisadaka Road, Nazarbad Mohalla, Mysore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

The Property being a portion of land with dilapidated sheds, measuring 4563 sq. yards; forming part of old No. 850, and new No. 12, Mirza Road, Mysore.

Doc. No. 1560/74-75 dated 31-7-1974.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 2-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri D. T. Sunder Raja Rao, S/o. D. Thiumala Rao,
No. 123, Palace Model House, Ittigegud, Mysore.
(Transferor)

(2) Sree Manjunatheswara Packing Products and camphor works, No. 851, (New No. 13) Package House, Thadisadaka Road, Nazarbal Mohalla, Mysore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd April 1975

No. CR. 62/2819/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a portion of land with park House annexe and garage forming part of old No. 850, New No. 12, situated at Mirza Road, Mysore, with sital area of 4680 sq. yards. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters, Sub-Registrar, Mysore, Doc. No. 1570/74-75 on 1-8-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—46GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a portion of land with Park House annexe and garage forming part of old No. 850, and New No. 12, Mirza Road, Mysore with sital area of 4680 sq. yards. Doc. No. 1570/74-75 dated 1-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Benode Kumar Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1975

Ref. No. AC-208/Cal/R-IV/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dg No. 2803 & 2804, situated at Italghacha Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Asit Kumar Bhowmick

(Transferor)

Date : 21-3-75.

Seal :

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Undivided $\frac{1}{4}$ share of land measuring 2 Cottah, 14 Chittaks & building (Kamala Bhawan) theron at Kh. No. 976, 986 Dag No. 2803 & 2804 Italghacha Road, Dum Dum Vill. Sultanpur Dist. 24 Parganas.

FORM ITNS

(2) Sri Valleppally Laxmana Rao, LIC Agent, Gudiwada.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 27th December 1974

Ref. No. Acq. File No. 137/J. No. I (274)/74-75.—Whereas, I K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/138 D25 situated at Gudiwada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudiwada on 31-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Puvvula Marudwati, 2. P. Amruthavalli and 3. Uma Devi, Gudiwada.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Gudiwada Sub-Registration-Gudiwada Town 11th Ward—Vivarthipadu Village R.S. No. 245/6D-O-08 Cents, with 315 Sq. Meters Site and building with Survey No. 11/138-D25.

Boundaries
East—Dividevara Anasuyamma's site 88 ft.
South—Puvvula Venkatarao's site 39 ft.
West—Tumalapally Venkataraman's site 88 ft.
North—Municipal Bazaar 39 ft.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.
Madras-6.

Date : 27-12-1974.
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Veeramachaneni Krishna Prasad, S/o Jagapati Rao, Door No. 29-13-42, Kaleswara Rao Road, Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th January 1975

Ref. No. Acq. File No. 141/J. No. I.124/KR/74—Whereas, I, K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-13-42 Kaleswara Rao Road, Suryaraopeta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on 31-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Jasti Jagannadham, S/o Ankineedu, Door No. 29-25-23, Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Vijayawada Sub-Registration—Mogalirajapuram Revenue Area—Vijayawada Municipality—Vijayawada Town—Old Ward 24 and New Ward-26 Revenue Ward-9 Block-18-NTS, 777/1, Vijayawada-Asst. No. 227/7-Door No. 29-13-42—Building and Site—1064 1/3 Sq. yds.

Boundaries

East—Site of P. S. N. Prasad etc. 101.6'.

South—Site of Yarlagadda Jayaprada 93.0'.

West—Site of Polavarapu Varalaxmi 104.6'.

North—Municipal Road known as Kaleswara Rao Road.

K. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-1-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Durugu Kasturi, Visakhapatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Sri T. V. Krishnamajju, Baroda.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. File No. 187/J, No. I(363)/EG/74-75.—
 Whereas, I, K. Subbarao
 being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
 that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 16/113 situated at Hospital Road, 9th Ward Dowleswaram
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajahmundry on 31-8-974
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

As per col. No. 3 mentioned in 37G form vide document No. 3330/74 of Sub-Registrar, Rajahmundry.

K. SUBBARAO,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Gundipally Sriharirao, Dalli Rajahara, Durg District, Madhya Pradesh.

Date : 4-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Bafna Brothers, 13, Noormal Lohia Lane,
Calcutta-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st March, 1975

Ref. No. Acq. File No. 183/J. No.I(113)/VSP/74-75.—
 Whereas, I, K. Subbarao
 being the competent authority under section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 Old Survey No. 41 situated at Karakavalasa village
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Vizianagaram on 31-8-74
 for an apparent consideration which is less than
 the fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bharat Mining & Trading Co., Private Ltd., Harbour Road, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) M/s Bafna Brothers, 13, Noormal Lohia Lane, Calcutta-7.
- (3) Smt. Nauratanmall Baid, Pr. M/s. Nauratanmal Dharmachand, 4/10/4, Dakkina Vudhi, Xizianagaram-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District.—Vizianagram Sub-Registrar—Karakavalasa village—To adjacent plots of Dry land, contiguous in nature and described for purposes of clarity as plot "X" and Plot "Y" both forming portions of old S. No. 41 of Karakavalasa near Vizianagaram, Vizianagaram Taluk, Visakhapatnam District—covered by T. D. No. 177, with buildings, filter-rooms, other rooms, office buildings, godowns verandahs and erections such as Engine-sheds, Expeller-sheds, platforms etc. with a pucca well and pucca compound walls and all other structures standing thereon in its absolute right as "Oil-Mill-Premises" under the name and style of "SREE UMAPATI GROUNDNUT AND OIL MILL".

BOUNDRIES TO PLOTS KNOWN AS X & Y

East: Tank

South: Lands of Saketi Guruvulu.

West: Lands of Saketi Guruvulu and

North: Road leading to Srungavarapukota.

K. SUBBARAO,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date: 31-3-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Mohan Singh s/o Rala Singh, Plot No. 262,
Basti Nau, Jullundur City.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref No AP-728/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nanak Singh s/o Lada Singh s/o Bachan Singh R.O. Basti Danishmandan Now Lama, Tch. Bhulath, Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 17½ marlas as mentioned in the Registration Deed No. 4387 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jagdish Singh s/o Chanan Singh, s/o Harnam Singh, Basti Danishmada, Teh. Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-729/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kahan Chand s/o Lachmandass, R.O. H. No. W.N. 221, Basti Danishmada, Teh. Jullundur.
(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanals 13 marlas as mentioned in the Registration Deed No. 3887 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Udhamp Singh s/o Hazara Singh, R.O. Sansarpur
Near Jullundur Cantt.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-730—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Waryam Singh Hazara Singh, SS/o Shri Sunder Singh R.O. Vill. Lidhian Teh. Jullundur.
(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanals 5 Marlas 7 Sft. as mentioned in the registration deed No. 4014 of July, 1974 of the Jullundur in July 1974

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mobinder Singh s/o Jaswant Singh and Sucha Singh s/o Jagat Singh R.O. Teh. Jullundur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-731.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 Kanals 5 Marlas 7 Sq. Ft. as mentioned in the registration deed No. 4225 of July, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

(1) Shri Waryam Singh Hazara Singh S/o Sunder Singh,
R O. Iindhan Teh. Jullundur,

(Transferor)

Date : 20-3-1975.

Seal :

Form I.T.N.S.—

(2) S/Shri Inder Jit Singh S/o Harbans Singh, (2) Kuldip Singh s/o Natha Singh of Jullundur.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-732.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) Shri Yaryam Singh Hazara Singh s/o Sunder Singh of Lidhran, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanals 5 Marlas 7 Sq. ft. as mentioned in the registration deed No. 4183 of July, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Ass't. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM INTS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-733.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Waryam Singh Hazara Singh s/o Sunder Singh, R.O. Vill. Lidhran, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Nasib Kaur w/o Udhram Singh, R.O. Sansarpur, Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanals 5 marlas 7 sq. ft. as mentioned in the registration deed No. 4012 of July, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-734.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Charan Singh Advocate s/o Mohan Singh of Chandigarh G.A. of Gurdip Singh s/o Charan Singh, 1078, Sector 27-B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shrimati Ajit Kaur d/o Kehar Singh V&P.O. Jandiala, Teh. Phillaur Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 18 marlas 125 sq. ft. as mentioned in the registration deed No. 4766 of July, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Faqir Singh, Gurbachan Singh S/o Shiv Singh
S/o Gurdit Singh of V. Adampura, Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Mohinder Kaur w/o Seva Singh, s/o Puran
Singh, Gali No. 6, B-16/267, Central Town,
Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the
property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom
the undersigned knows to be interested in the
property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-735.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELE

Plot of land measuring 2 Kanals 7 Marlas as mentioned in the registration deed No. 4694 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-736/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hargopal, Krishan Gopal s/o Gurdial s/o Devi Ditta Mall of New Delhi, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Kumar s/o Prem Nath, s/o Shri Kishan Chand, NK-216, Mohalla Charanjitpura, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 23 marlas as mentioned in the Registration deed No. 4229 of July 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jagdish Chander s/o Kishan Chand s/o Shanker Dass, N.K. 216, Mohalla Charanjitpur, Jullundur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-737/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Har Gopal, Krishan Gopal s/o Gurdial, s/o Devi Ditta Mal of New Delhi, Jullundur.
(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 21 Marlas 186 Sq. ft. as mentioned in the Registration Deed No. 4227 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20.3.1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Avtar Singh s/o Ram Singh s/o Tirath Singh of Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 Kanal 10 Marlas 190 Sq. ft. as mentioned in the Registration Deed No. 4226 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hargopal, Kishangopal S/o Gurdial s/o Devi-ditta Mal of New Delhi, Now Jullundur.

(Transferor)

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-739/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Joginder Singh Bisla s/o Kesar Singh, s/o S. Bhola Singh Ramgarhia, 471, New Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Satyapal Agarwal s/o Girdharilal, (ii) Satish Kumar Aggarwal s/o Styapal and Shri Jagdish Kumar s/o Satyapal, 471, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 kanal 78 Sq. Ft. as mentioned in the Registration Deed No. 3946 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-740/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rai Golaknath s/o William Golak Nath s/o Golaknath, R/o 33-A, Mall Road, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri C. R. Malick s/o Late K. B. Malik, Professor, Sports College, Jullundur r/o 32, Mission Compound, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Mission Compound, Jullundur measuring 1 Kanal 19 Marlas as mentioned in the Registration Dced No. 4487 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Vidyadevi w/o Joginder Singh s/o Ujagar
R.O. Village Nall, Teh. Nakodar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-741/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sulakhan Singh s/o Ajaib Singh, s/o Kahan R.O. Nila Mahal, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Vidyadevi w/o Joginder Singh s/o Ujagar R.O. Village Nall, Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Plot of land at Ghazi Gula, Jullundur measuring as mentioned in Registration Deed No. 3951 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-742/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hargopal, Krishnopal s/o Gurdial s/o Devi Ditta Mal of New Delhi, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Raunkidevi, Girdhari Lal s/o Duman Mal s/o Gopochand c/o Agarwal Metal Co., Sodal Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated quite close to Agarwal Metal Co., Sodal Road, Jullundur measuring 18 Marlas 171 Sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 4255 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-743/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hargopal, Krishanpal s/o Gurdial s/o Devi Ditta Mal of New Delhi, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Sarla Devi d/o Kishori Lal of Ludhiana, Baldevkrishan s/o Asha Ram b/o Rulia Ram, Mohalla Shiv Nagar, Sodal Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Sodal Road, Jullundur measuring 1 Kanal 3 Marlas 9 Sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 4257 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-744/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Raigolak Nath s/o William Golak Nath s/o Golak-nath, 3-A, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Padam Somnath (Professor) w/o Shri Somnath, Retired Principal Sport College, 32, Mission Compound, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Mission Compound, Jullundur measuring 1 Kanal 19 Marlas as mentioned in the Registration Deed No. 4488 of July 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ranjit Singh S/o Santokh Singh
S/o Gian Singh,
R/o Ranjit Niwas, Mohalla Govindgarh,
Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Amarnath Bhandari,
S/o Shri Ram Saran Dass,
S/o Shri Gurdial
R/o H. No. BXXXI/655, Moh. Bag Bahria,
Jullundur.
(Transferee)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-745/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Bagh Bahrian, Jullundur measuring 7 Marallas 62 Sqft. as mentioned in the Registration Deed No. 3935 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Vasdev Chadha S/o Shri Somnath Chadha & Shri Hari Inder Mohan S/o Shri Somnath Chadha C/o M/s. Chadha Property Dealers,
Mai Hiran Gate,
Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-746/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Dharam Pal Dada S/o Shri Diwan Chand Dada, G.A. for Khushiram Seth S/o Shri Sulaxanmal, Bazar Boharwala, Jullundur.

(Transferor)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Preet Nagar, Jullundur measuring 2 Kanals 6½ marlas as mentioned in Registration Dced No. 4386 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-747/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Singh S/o Shri Chanda Singh,
S/o Shri Fateh Singh, V. Basti Danishmada, Teh.
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kasturilal S/o Shri Amarchand,
R/o 55, Shakti Nagar,
Jullundur.

(Transferee)

(4) any person interested in the property. [Person whom the under signed knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Basti Danishmada measuring 6 Kanal 13 Marlas as mentioned in Registration No. 4341 of July 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-748/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on the Registering Officer at

Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Dharam Pal Dada S/o Shri Diwan Chand Dada G.A. for Shri Khushiram Seth S/o Sulaxan Mal, R/o Bazar Boharwala, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev Chadha S/o Shri Somnath Chadha and Shri Hari Inder Mohan S/o Shri Somnath Chadha C/o M/s. Chadha Property Dealers, Mai Hiran Gate, Jullundur.

(Transferee)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) any person interested in the property. [Person whom the under signed knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Preet Nagar, Jullundur measuring 2 Kanals 6 $\frac{1}{4}$ Marlas mentioned at Registration Deed No. 4385 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Sunil Parkash S/o Shri Sat Parkash,
of Jullundur.
(Transferee)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of
the property]

(4) any person interested in the property. [Person
whom the undersigned knows to be interested
in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975.

Ref. No. AP-749/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Link Land & Finance Co. Pvt. Ltd.,
through Shri Bhimsain Jagota S/o
Shri Puranchand R/o Civil Lines,
Jullundur.
(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Mission Compound, Jullundur measuring 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 3968 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975,

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Suraj Parkash S/o Shri Sat Parkash,
R/o Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-750/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Link Land & Finance Co. Pvt. Ltd., Civil Lines, Jullundur through Shri Bhimsain Jagota, S/o Puran Chand, R/o Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

*(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land near Mission Compound, Jullundur measuring 10 marlas as mentioned at Registration Deed No. 3967 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Vijay Kumar Ram
S/o Jagat Ram,
R/o Village Mudh, Tehsil Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-751/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishansingh, Bishan Singh S/o Shri Labhsingh R/o Village Boot, Teh & Distt. Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Ram
S/o Jagat Ram,
R/o Village Mudh, Tehsil Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

*(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated on Nakodar Road in Village Boot as measuring 3 Kanals 13 marlas as mentioned in Registration Deed No. 4720 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Dalip Kumar Ram

S/o Jagat Ram,
R/o Village Mudh, Tehsil Nakodar,
Distt. Jullundur,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-752/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

(1) Shri Kishansingh, Bishan Singh S/o Shri Labhsingh R/o Village Boot, Teh & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

*(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated on Nakodar Road in village Boot as measuring 3 Kanals 13 Marlas (new measurement) as mentioned in Registration Deed No. 4326 dated July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-753/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishan Singh Bishan Singh
ss/o Labh Singh of Vill. Boot,
Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Amarjeet Ram s/o Jagat Ram of V. Mudh,
Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 kanals 13 marlas (new measurement) as mentioned in Registration Deed No. 4181 of July 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-754/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaichand s/o Nathu Ram, s/o Mohriram G.A. of Shantidevi alias Shanti Rani w/o Dharam Pal, E.F. 435, Krishan Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagirsingh s/o Jawar Singh, and Udhram Kaur w/o Jagir Singh, V. & P.O. Maqsood Puram, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at 425, Krishan Nagar, Jullundur mentioned in Registration Deed No. 4117 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Pal Singh s/o Jagir Singh and
Surinder Kaur w/o Pal Singh,
V. & P.O. Maqsoodpur, Teh. Phillaur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-755/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaichand s/o Nathu Ram,
s/o Mohiram, Jullundur G.A. of Shantidevi alias
Shantarani w/o Dharam Pal,
EF-425, Krishan Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at 425, Krishan Nagar, Jullundur as mentioned in Registration Deed No 4116 of July 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. 756/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Hargopal, Kishangopal s/o Gurdial, s/o Devi Dittamal, of New Delhi Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Raj s/o Madho Ram, Iron Merchant, Chowk Sudan, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Moh. Shiv Nagar, Near Sodal measuring 9 marlas 10 Sq. ft. as mentioned in Registration No. 4228 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-757/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Har Gopal, Kishan Gopal,
s/o Gurdial s/o Devi Ditta mal of New Delhi,
Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal s/o Sukhdev Raj
s/o Madho Ram of Jullundur.
(Transferee)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 8 marlas 184 sq. ft. situated at Shiv Nagar near Sodar as mentioned in Registration Deed No. 4230 of July 1974 of Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal ;

FORM ITNS

(2) Gaini Finance Company (P) Ltd., Ladowali Road, through Jagjit Singh, Mgr. Director, JUC.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-758/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Durgadass, Dharam Chand Hatbans Lal, Lekhraj, Balbir Singh, Mayawanti w/o Harichand, Durga Devi w/o Girdharilal, ES-193, Maksoodpur, Jullundur,

(Transferor)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

*(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 8 Marlas-76 Sq. ft situated at Jawahar Nagar Colony, Ladowali Road Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 4152 dated July, 1974 of Registering Authority, Jullundur City.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-759/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the said Act to the following persons namely :

- (1) Shri Lekhraj s/o Radha Ram
s/o Diwan Chand R/o Ucha Teh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Narankari Motor Finance (P) Ltd., Ladowali Road, Jullundur.
(Transferee)
- (3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]
- *(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 8 Marlas 106 Sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 4153 dated July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 20th March 1975

Ref No. AP-/60/74-75—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Dharampal, Premnath, Pawankumar, Vijay Kumar, Mohinder Pal s/o Nand Kishore, s/o Ram Rakha Mal, Mandi Fentonganj, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Charanjit and Gurdi s/o Jagat Ram s/o Dula Ram, Buta Mandi, Jullundur.
(Transferee)

(3) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) any person interested in the property [Person whom the undersigned know, to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Basti Sheikh, Jullundur measuring 8 Kanals 5 Marlas as mentioned in Registration Deed No. 4182 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Madanlal s/o Sohan Singh
s/o Lal Manghiram R.O. 74 Lajpatrai Nagar,
Jullundur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-761/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974.

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property of the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Singh s/o Chanan Singh
s/o Harnam Singh of Basti Danishmada.
Jullundur.

(Transferor)

(Transferee)
(2) as per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]
*(4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at 9, Basti Danishmada, Jullundur measuring 2 Kanals as mentioned in Registration No. 3934 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-762/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh Pannu s/o Sudagarsingh, s/o Bhup Singh, R.O. Village Sabowal, Tehsil Jullundur. (Transferor)
- (2) Maj. Paramjit Singh s/o Hardial Singh, s/o Harnand Singh, 413, Model Town, Jullundur. (Transferee)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring half portion of Bldg. No. 413, Model Town, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 3948 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-763/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Singh s/o Chanan Singh, s/o Harnam Singh of Basti Danishmanda, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mulkraj s/o Sohan Singh, s/o Lal Maghiram of 74, Lajpatrai Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 10, Basti Danishmanda, Jullundur measuring 2 kanals as mentioned in Registration Deed No. 3983 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date : 20-3-1975
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Balwant Singh s/o Amar Singh,
Jit Singh s/o Ram Singh and
Kehar Singh s/o Inder Singh,
Vill. Lama, Teh. Bhullath,
Distt. Kapurthala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-764/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) Shri Balwant Singh s/o Amar Singh,
Jit Singh s/o Ram Singh and
Kehar Singh s/o Inder Singh,
Vill. Lama, Teh. Bhullath,
Distt. Kapurthala.
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Basti Shickh, Jullundur measuring 7 kanals as mentioned in Registration Deed No. 4246 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh s/o Ram Singh,
s/o Udhram Singh,
V. Lama, Teh. Bhullath,
Dist. Kapurthala.

(Transferor)

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FROM ITNS

(2) Shri Ranbir Singh s/o Nirmal Singh,
 Smt. Khushwant Kaur d/o Bakhshish Singh,
 Shri Har Iqbal Singh s/o Maj. Paramjit Singh,
 413, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-765/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh Pannu s/o Saudagar Singh,
 Koti No. 413, Model Town, Jullundur.
 (Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land (back portion of plot No. 413, Model Town, Jullundur) measuring as mentioned in Registration Deed No. 4493 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Mohar Singh, Balwinder Singh, Parminder Singh
s/o Harbhajan Singh s/o Teja Singh,
V. & P.O. Dhadwar, Teh. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-766/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant Singh s/o Prem Singh,
for GA of Rajbir Singh s/o Balwant Singh,
92, Radio Colony, Jullundur.
(Transferor)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at 14, Jyoti Nagar, Jullundur measuring 1 Kanal 20 Sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 4010 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Gurbachan Singh s/o Hukam Singh,
R.O. Nawan Shahar, Distt. Jullundur.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No AP-767/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawan Shahar in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Satluj Land Finance P. Ltd.,
G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 Kanals 135 Sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 2328 of July, 1974 of Registering Authority, Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Kum. Harbhajan Kaur d/o Gurbachan Singh,
R.O. Nawan Shahar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. AP-768/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at

Nawanshahar, in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Satluj Land Finance P. Ltd.,
G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 kanal 135 Sq. ft. as mentioned in Registration Deed No. 2327 of July, 1974 of Registering Authority, Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-769/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Parkash s/o Ram Lal, Ali Mohalla, Jullundur, (Transferor)

(2) Bhatia Co-operative House Bldg. Society Ltd. through Shri Tarlok Singh Bhatia (President), s/o Nanuk Singh, 121, Adarsh Nagar, Jullundur, (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 Kanals 10 Marlas as mentioned in Registration Deed No. 4689 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-3-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) M/s. Bhatia Co-operative House Building Society, Jullundur through Shri Tarlok Singh, President, 121, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-770/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot of land measuring 6 Kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 4687 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saraswati Bai Wd/o Ram Lal,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.
(Transferor)

(2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 4687 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

FORM I.T.N.S.—

(2) M/s. Bhatia Co-operative House Building Society,
Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-771/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 6 Kanals 10 Marlas as mentioned in Registration Deed No. 4830 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Parkash s/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.
(Transferor)

(2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

'THE SCHEDULE'

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 4830 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) M/s. Bhatia Co-operative House Building Society,
Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-772/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 6 Kanals 10 Marlas as mentioned in Registration Deed No. 4829 of Registering Authority, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saraswati Devi W/o Ram Lal, S/o Ram Chand WF-145, Ali Monalla, Jullundur.

(Transferor)

- (2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 4829 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-773/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 6 Kanals 10 Marlas as mentioned in Registration Deed No. 3984 of July, 1974 of Registering Authority Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal s/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
Ali Mohalla, Jullundur City.
(Transferor)

(2) M/s. Bhatia Co-operative House Building Society,
Jullundur.
(Transferee)

(2) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-774/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 6 Kanals 11 Marlas as mentioned in Registration Deed No. 3972 of July of Registering Authority, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 3972 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur

(1) Shri Krishan Lal s/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.
(Transferor)

(2) M/s. Amrit Cooperative House Building Society,
Jullundur. (Transferee)

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-775/74/75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Jullundur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal s/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferor)

(2) M/s. Amrit Co-operative House Building Society Ltd., Jullundur.

(Transferee)

(2) As per S. No. 2 above.

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 3889 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-776/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Parkash &/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.
(Transferor)
- (2) M/s. Amrit Co-operative House Building Society,
Jullundur.
(Transferee)
- (2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 kanals 10 marlas as mentioned in Registration Deed No. 3897 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-777/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal s/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferor)

(2) M/s. Amrit Co-operative House Building Society, Jullundur.

(Transferee)

(2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals as mentioned in Registration Deed No. 4256 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Saraswati wd/o Ram Lal,
s/o Ram Chand,
WF-145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferor)

(2) M/s. Amrit Co-operative House Building Society,
Jullundur.

(Transferee)

(2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-778/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land measuring 5 kanals 4 marlas as mentioned in Registration Deed No. 3898 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—
27—46G1/75

Date : 20-3-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th March 1975

Ref. No. AP-779/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Kumar s/o Sat Pal,
G.A. for Gurbux Singh, Tarlochan Singh,
S/o Jiwan Singh and Smt. Raj Kaur,
w/o Gurbux Singh,
545, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Agyawati w/o Ram Lal,
Vill. Kukar Pind, Tch. Jullundur.

(Transferee)

(2) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 kanal 18 marlas 129 sq. ft. situated at 83 and 88, Satnam Nagar near Model Town, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 4813 of July, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-3-1975

Seal :